दिव्य आकाश

सफलता के 15 वर्ष पूर्ण

असतो मा सद्गमय

सुविचार
सभ्य समाज की पहचान मान्यता से ही है, न कि आडंबर से...

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष 16, अंक-04 | कोरबा, शुक्रवार दिनांक 02 से 08 मई 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य रू. 3.00/-

नेवी ने मल्टीइंफ्लुएंस ग्राउंड माइन की सफल टेस्टिंग की

पहलगाम/नई दिल्ली (एजेंसी)।

नौसेना और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने देश में ही बनी मल्टी-इंफ्लुएंस ग्राउंड माइन (MIGM) का सफल परीक्षण किया है। इस परीक्षण में कम विस्फोटक सामग्री का उपयोग किया गया, ताकि सुरक्षा मानकों का ध्यान रखा जा सके।

यह माइन समुद्र के नीचे दुश्मन के जहाजों को निशाना बनाने में सक्षम है। इसे भारत में पहली बार पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से बनाया गया है। इसका इस्तेमाल नौसेना की ताकत बढ़ाने और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में किया जाएगा।

इससे पहले NAVY ने INS सूरत से 24 अप्रैल को मिसाइल की टेस्टिंग की थी। NAVY ने समुद्र में तैर रहे एक छोटे टारगेट को नष्ट किया था। इसी दिन गुजरात के सूरत में दमन सी फेस पर INS सूरत तैनात कर दिया गया था। यह युद्धपोत 164 मीटर लंबा और 7,400 टन वजनी है। इसकी अधिकतम गति 30 नॉट्स (लगभग 56 किमी/घंटा) है। इसमें अत्याधुनिक हथियारों- ब्रह्मोस और बाराक-8 मिसाइल और U AI बेस्ड सेंसर सिस्टम है।

नए CBI डायरेक्टर की नियुक्ति के लिए PMO में मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पीएम मोदी ने सोमवार को नए सीबीआई डायरेक्टर के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में मीटिंग की। इस मीटिंग में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना भी शामिल हुए। मौजूदा सीबीआई डायरेक्टर प्रवीण सूद 25 मई को रिटायर होंगे। सूद कर्नाटक कैडर के 1986 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने 25 मई, 2023 को सीबीआई चीफ का पद संभाला था। सीबीआई डायरेक्टर का कार्यकाल सिर्फ दो साल का होता है।

राहुल की नागरिकता मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने केस किया बंद

लखनऊ (एजेंसी)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राहुल गांधी को ब्रिटिश नागरिक बताने वाले केस को बंद कर दिया है। कोर्ट ने कहा- राहुल की नागरिकता की रिपोर्ट केंद्र सरकार पेश नहीं कर पाई। कोर्ट ने कहा- केवल रिपोर्ट के इंतजार में याचिका को लंबित नहीं रखा जा सकता। जब भी रिपोर्ट केंद्र सरकार को प्राप्त होती है, तो याचिकाकर्ता को उसकी एक प्रति उपलब्ध कराएं और उसे कोर्ट में भी प्रस्तुत करें। केंद्र सरकार के वकील ने कहा कि यह मामला दो देशों के बीच की संवेदनशील जानकारी से जुड़ा है। संबंधित देश को कई रिमाइंडर भेजे जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है, इसलिए कुछ और समय दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल इस याचिका की सुनवाई पूरी की जा रही है। याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता है कि वह नागरिकता से संबंधित किसी भी अन्य फोरम या कोर्ट में याचिका दाखिल कर सकता है।

कांग्रेस का संविधान बचाव आंदोलन : कोरबा कांग्रेस की बैठक 7 को

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष नत्थूलाल यादव एवं मनोज चैहान ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि 8 मई को बिलासपुर में होने वाली प्रदेश स्तरीय सविंधान बचाओ आम सभा की तैयारी को लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय टी पी नगर कोरबा में दिनांक 7 मई 2025, दिन - बुधवार को प्रात: 10 बजे बैठक आयोजित है । अध्यक्ष द्वय यादव एवं चैहान ने जिला कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, सेवादल, इंटक, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, वार्ड, जोन एवं बूथ कमेटी सहित समस्त कांग्रेस पदाधिकारी एवं सदस्यों को समय पर उपस्थित होने आग्रह किया है।

देहरादून में बादल फटा : सांग नदी में बाढ़

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के देहरादून में बादल फटने से सांग नदी में बाढ़ आ गई। इस दौरान कई टूरिस्ट फंस गए। हालांकि, सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। वहीं, चारधाम यात्रा मार्ग पर ऋषिकेश के पास सड़क पर मलवा आने से कुछ देर रास्ता बंद रहा। मौसम विभाग ने सोमवार को मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश सहित देश के 26 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश होने की चेतावनी जारी की है। राजस्थान के पश्चिमी हिस्से में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट और पूर्वी में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट की ईडी को फटकार बिना सबूत आरोप लगा रहे

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में सुनवाई : जस्टिस ओका बोले - ये एक पैटर्न सा हो गया है

रायपुर (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) को शराब घोटाला मामले में फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि एजेंसी बिना किसी ठोस सबूत के सिर्फ आरोप लगा रही है। जस्टिस ओका ने सुनवाई के दौरान कहा, हमने ईडी की कई शिकायतें देखी हैं। यह एक पैटर्न बन गया है, केवल आरोप लगाइए, लेकिन किसी भी साक्ष्य का हवाला मत दीजिए।

न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुयां की पीठ ने यह टिप्पणी आरोपी अरविंद सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान की। यह टिप्पणी तब आई जब श्वष्ठ की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू अरविंद सिंह के खिलाफ 40 करोड़ रुपए की अवैध कमाई का कोई ठोस सबूत अदालत के सामने नहीं रख सके।

आरोपी पक्ष की दलीलें

अरविंद सिंह के वकील ने बताया कि, वह पहले ही 10 महीने से हिरासत में हैं। ईडी ने उनके खिलाफ एक मुख्य और 3 पूरक शिकायतें दर्ज की हैं, लेकिन अब तक जांच पूरी नहीं हुई। मामले में 21 आरोपी, 25 हजार से अधिक पन्नों के दस्तावेज और 150 से अधिक गवाहों के बयान शामिल हैं।

अब इस पर ईडी ने क्या कहा?

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू ने तर्क दिया- केवल सामग्री की मात्रा के आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती। इस तर्क को मान लिया जाए, तो पहले दिन ही जमानत मिल जाएगी। अरविंद सिंह की गिरफ्तारी को अभी एक साल भी नहीं हुआ है।

जस्टिस ओका ने स्पष्ट किया- जमानत के लिए एक साल की हिरासत कोई कानूनी मानक नहीं है।

ईडी की ओर से कहा गया- अरविंद सिंह घोटाले में प्रमुख भूमिका में है, वह सह-आरोपी अनवर ढेबर के करीबी थे। व्हाट्सएप चैट में नकली होलोग्राम, शराब नीति और सप्लायरों को लेकर बातचीत का हवाला दिया गया।

कोर्ट ने फिर पूछा- 40 करोड़ रुपए की कमाई से उनका सीधा संबंध कहां है?

ED की ओर से राजू ने बताया- यह रकम अरविंद सिंह और दुबई भाग चुके विकास अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से कमाई गई थी।

जस्टिस ओका ने पूछा- क्या अग्रवाल के खिलाफ भी कोई मामला दर्ज किया गया है? राजू ने बताया- अभी उन्हें आरोपी नहीं बनाया गया है, जांच पूरी होने पर ही ऐसा किया जाएगा।

ED की दलील, 5 रुपए प्रति बोतल मुनाफा

ED की ओर से वेलकम डिस्टिलरीज और अनुराग ट्रेडर्स के बीच बैंक लेन-देन का हवाला दिया गया। कहा कि आरोपियों से जुड़ी कंपनियों ने बोतलों की आपूर्ति में 5 रुपए प्रति बोतल का मुनाफा कमाया। इससे कुल 900 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ। सिंह को अमित सिंह का रिश्तेदार बताया गया, जिसे यह धन मिला।

इस पर राजू ने कहा कि, सिंह इन कंपनियों को चला रहे थे और विवरण पेश करने के लिए समय मांगा। उन्होंने यह भी कहा कि कोई व्यक्ति कंपनी का प्रबंध निदेशक न होते हुए भी जिम्मेदार हो सकता है।

क्या है छत्तीसगढ़ का शराब घोटाला ?

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ED जांच कर रही है। ED ने ACB में FIR दर्ज कराई है, जिसमें 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ED ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में IAS अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी AP त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

विद्यालय क्षेत्र में राखड़ डंप,पर्यावरण विभाग नींद में,शिकायत के बाद भी कार्यवाही नहीं

कोरबा-मड़वारानी (दिव्य आकाश)।

नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा से लगी जमीन पर भारी मात्रा में राखड़ डंप करने से डस्ट विद्यालय परिसर एवं क्लास रूम तक पहुंच रहा है, जिसके कारण अध्यापकों एवं बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालय परिसर के 100 मीटर की परिधि में राखड़ डंप प्रतिबंधित है, इसके बावजूद भी विद्यालय परिसर से लगी जगह पर भारी मात्रा में गड्डे को राखड़ से भरा जा रहा है और रोज कई भारी गाडि़यां विद्यालय के किनारे से गुजर रही हैं, जिसके कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। विद्यालय के चेयरमेन लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने इसकी शिकायत कलेक्टर से की है। कलेक्टर ने पर्यावरण संरक्षण विभाग को आवश्यक कार्यवाही का निर्देश दिया है, लेकिन पर्यावरण विभाग सो रहा है।

आक्सीजोन को खतरा

नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा विद्यालय प्रबंधन ने विद्यालय परिसर में खेल मैदान के साथ निजी बंजर भूमि पर आक्सीजोन का निर्माण कराया है, ताकि क्षेत्र का पर्यावरण बेहतर बन सके। यहां रोजाना राखड़ डंप करने से आक्सीजोन पर भी खतरा मंडरा रहा है। लायन डॉ. अग्रवाल ने राखड़ परिवहन को तत्काल बंद करने की मांग की है।

बच्चों के स्वास्थ्य पर असर

अभी रोजाना भारी आंधी-तूफान के कारण राखड़ उडक़र क्षेत्र में फैल रही है, यहां आसपास ग्रामीणों के साथ अध्यापकों एवं बच्चों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। यहां के अध्यापकों ने बताया कि राखड़ से पूरा विद्यालय प्रभावित है और भारी मात्रा में राखड़ घूस रही है और बर्तन तक भी अछूता नहीं है और अभिभावकों ने बच्चों को हो रही परेशानी की शिकायत विद्यालय प्रबंधन से की है। बताया जा रहा है कि राईस मिल के निर्माण के लिए सैकड़ों हाईवा राखड़ डंप बगल में ही कराया जा रहा है और उक्त राईस मिल निर्माण करने वाला व्यक्ति पर्यावरण के नियमों को ताक में रख दिया है। विद्यालय परिसर से लगी जमीन में राईस मिल निर्माण से बच्चों को भविष्य में खतरा भी हो सकता है।

क्षेत्रीय पर्यावरण संरक्षण अधिकारी ने नहीं उठाया फोन

विद्यालय परिसर से लगे प्रतिबंधित क्षेत्र में राखड़ डंप किये जाने के मामले को लेकर क्षेत्रीय पर्यावरण संरक्षण अधिकारी प्रेमेन्द्र पांडेय से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कॉल रिसिव नहीं किया।

साव बोले- डेनमार्क-सिंगापुर और जर्मनी जैसे बनाएं सीजी के शहर

डिप्टी सीएम बने टीचर, महापौरों की ली क्लास, खुद दिया प्रेजेंटेशन,निकायों के काम-काज पर ट्रेनिंग

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के शहर भी डेनमार्क, जर्मनी और सिंगापुर की तरह बन सकते हैं। सिटी डेवलपमेंट प्लान बनाकर काम किया जा सकता है। देश और विदेश के बड़े शहरों से सीखकर वहां जैसी पॉलिसी अपने शहरों में भी लागू की जा सकती है। यह बात छत्तीसगढ़ के डिप्टी ष्टरू और नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने कही है।

दरअसल, रायपुर में सोमवार से दो दिन तक स्पेशल ट्रेनिंग प्रोग्राम की शुरुआत की गई है। यह ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रदेश के 14 नगर निगम, 54 नगर पालिका और 124 नगर पंचायत के नेता और अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया है। इसे नगर सुराज संगम नाम दिया गया है।

प्रेजेंटेशन देकर नेताओं को समझाया कैसे काम करना है

ट्रेनिंग सेशन के पहले दिन उपमुख्यमंत्री अरुण साव किसी प्रोफेशनल ट्रेनर या कोच की तरह कानों में ईयर पीस लगाकर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन पेश कर रहे थे। उनकी क्लास में स्टूडेंट बने थे सभी शहरों से आए महापौर, सभापति, पार्षद, पालिका और पंचायत प्रमुख। अलग-अलग 50 स्लाइड के जरिए डिप्टी ष्टरूने यह समझाया कि निकायों से जुड़े काम कैसे किए जा सकते हैं, नई तकनीक और नए आइडिया कौन से हैं जिस पर काम करना है।

विदेशों की तकनीक का होगा इस्तेमाल- रायपुर, बिलासपुर, भिलाई, जगदलपुर, कोरबा और रायगढ़ समेत सभी नगर निगमों में अब नए तरीके से साफ-सफाई के काम होंगे। मंत्री अरुण साव ने सभी नेताओं को बताया कि, कोयंबटूर, चेन्नई, अहमदाबाद, इंदौर, पिंपरी चिंचवाड़ जैसे शहरों गुजरात और तेलंगाना में स्थानीय निकाय इस पर बेहतर काम कर रहे हैं। साव ने अपने प्रेजेंटेशन के दौरान डेनमार्क, सिंगापुर, जर्मनी और जापान जैसे देशों में कम खर्च में निकायों के काम और रिसाइक्लिंग-रीयूज के लिए वहां हो रही बेस्ट प्रैक्टिस के बारे में बताया।

डेनमार्क में गंदगी से मिल रही सुविधा

इस प्रेजेंटेशन में बताया गया कि, गंदगी भी कैसे काम में लाई जा सकती है। डेनमार्क के शहर कोपेनहेगन में कचरे से बिजली बनाई जा रही है। नगर निगम इस काम को करने की वजह से पूरी दुनिया में चर्चा में आया। वहां कचरे को रिसाइकल कर कई तरह के प्रोडक्ट तैयार किए जा रहे हैं, जो आम शहरों की सुविधा को बढ़ा रहे हैं।

यह ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रदेश के 14 नगर निगम, 54 नगर पालिका और 124 नगर पंचायत के नेता और अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया है। इसे नगर सुराज संगम नाम दिया गया है।

आपके शहरों से प्रदेश की छवि बनती है- उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने निकायों के नेताओं से कहा कि, आपके शहर ने आपको भरपूर स्नेह, मान-सम्मान और संस्कार दिया है। आपकी कर्मस्थली, आपके शहर ने आपको बहुत कुछ दिया है। अब शहर को देने की बारी आपकी है। आप लोग अपने-अपने शहरों में अपने कार्यकाल में ऐसा काम करें जो यादगार हो।

आपके शहरों से प्रदेश की छवि बनती है। इस लिहाज से आप लोगों की जिम्मेदारी भी बड़ी है। दो दिन साथ बैठकर हम लोग शहरों के विकास का रोडमैप और प्राथमिकताएं तय करेंगे।

तो अब इन मुद्दों पर होगा शहर सरकार का फोकस- इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी, स्वच्छता एवं साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन, शहरों में हरियाली, शहरी परिवहन, स्ट्रीट लाइटिंग, टैक्स वसूली, और सिटी डेव्हलपमेंट प्लान पर बात की गई है। इन पर अब सभी शहरों के निकाय फोकस करेंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने बताया कि, प्रोग्राम में नगरीय निकायों की आगामी पांच सालों की कार्ययोजना पर भी चर्चा की जा रही है। नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को नगरीय प्रशासन विभाग और राज्य शहरी विकास अभिकरण (SUDA) की योजनाओं, कार्यों और विभिन्न अधिनियमों के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी गई।

एसईसीएल दीपका विस्तार परियोजना में मुआवजा घोटाला : कई परिवार का मुआवजा रद्द

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले में संचालित एसईसीएल की दीपका परियोजना खदान के विस्तार के लिए प्रभावित गांव अमगांव/मलगांव की जमीन का फर्जी मुआवजा बनाने को लेकर चले आ रहे शिकवा शिकायतों और जांच के मध्य एक बड़ी खबर है कि विवादित बाबू मनोज गोभिल के परिवार के लोगों सहित पांच लोगों के विवादित मुआवजे को पूर्ण रूप से रद्द कर दिया गया है। इसी तरह दूसरा सर्वाधिक विवादित मुआवजा श्यामू जायसवाल के परिवार व रिश्तेदारों तथा परिजनों को लेकर है, जिस पर सीबीआई जांच का निराकरण होने तक पूर्ण रूप से मुआवजा वितरण पर रोक लगा दी गई है।

गौरतलब है कि दीपका विस्तार परियोजना से प्रभावित ग्राम मलगांव में भूमि अधिग्रहण और परिसंम्पतियाँ का मुआवजा निर्धारण को लेकर काफी शिकायतें होती रही हैं। एक बड़ी शिकायत एसडीएम कार्यालय के बाबू मनोज गोविल और उसके परिवार को लेकर चर्चित रही। मलगांव में उनके परिवार को लेकर बनाए गए पांच मुआवजा की खूब चर्चा होती रही और शिकवा शिकायतों के बीच खबर है कि यह सभी पांचों मुआवजा निरस्त करते हुए संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई करने हेतु प्रशासन की ओर से लिखे गए पत्र उपरांत एसईसीएल ने उनके मुआवजा को रद्द कर दिया है। गोभिल को पहले ही पद से हटा दिया गया था।

जिनके मुआवजा रद्द किए गए हैं उनमें मुआवजा पत्रक के अनुसार मकान स्वामी प्रमोद कुमार पिता खिलावन लाल अधिसूचना के समय भूस्वामी सुमित्रा बाई पिता मालिक राम खसरा नंबर 542/3 रकबा 0.020 हेक्टर, नीलू पति प्रमोद कुमार शासकीय भूमि खसरा नंबर 558/1 रकबा 16.147 हेक्टर, इसी खसरा और इतने ही रकबा में नीलम पति रविंद्र, बरातु पिता मुखी राम (कोटवार) दीपका, विमला देवी पति गौरी शंकर सभी की खसरा नंबर 558/1 रकबा 16.147 हेक्टर शासकीय भूमि का मुआवजा फर्जी तरीके से बनवाया गया था। इनका मुआवजा पत्रक फरवरी 2024 में तैयार किया गया जिसमें संबंधितों के हस्ताक्षर व सील भी लगाए गए। उपरोक्त सभी पांचो मुआवजा को निरस्त कर दिया गया है और प्रशासन के सूत्र ने बताया कि इन्हें भविष्य में उपरोक्त भूमि का कोई भी मुआवजा प्राप्त नहीं होगा।

ननकीराम से लेकर कई लोगों ने की शिकायत

पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर ने भी मुआवजा घोटाला को बड़े स्तर पर उठाया और पीएमओ तक शिकायत की।

यदि सीबीआई जांच सही ढंग से होती है तो हरदीबाजार का एक सफेदपोश नेता भी कटघरे में आ सकता है क्योंकि इस परिवार को भी 300 करोड़ से ऊपर का मुआवजा मिला है। इसके अलावा तात्कालीन कटघोरा एसडीएम भी जांच के दायरे में आ सकती हैं। मलगांव- अमगांव में अब तक कई हितग्राहियों को पर्याप्त मुआवजा नहीं मिल पाया है। जबकि फर्जी लोग ऐश कर रहे हैं।

सुशासन तिहार:अब तक जनता की 40 लाख समस्याएं आई

हेलीकॉप्टर में खराबी के चलते देरी से भरी उड़ान

रायपुर(एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में सरकार के सुशासन तिहार में अब तक 33 जिलों से 40 लाख समस्याएं आई हैं। इन समस्याओं का निराकरण भी कर रहे हैं। विष्णुदेव साय सोमवार को चीफ सेक्रेटरी अमिताभ जैन, प्रिंसिपल सेक्रेटरी सुबोध सिंह और पी दयानंद के साथ हेलीकॉप्टर से सबसे पहले सक्ती जिले के करिगांव पहुंचे, जहां पीपल के पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं।

इसी तरह सीएम साय रोजाना कई जिलों में जाएंगे। लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। अधिकारियों की मीटिंग भी लेंगे। पहले चरण में 8 से 11 अप्रैल तक आवेदन लिए गए। दूसरे चरण में आवेदनों का निराकरण किया गया। तीसरे चरण में 5 से 31 मई तक समाधान शिविर लगाएंगे। जिसमें सांसद, विधायक और मंत्री जनता के बीच जाकर फीडबैक लेंगे।

हेलीकॉप्टर में आई खराबी

रायपुर से रवाना होते समय सीएम साय का हेलीकॉप्टर खराब हो गया। पायलट और ग्राउंड स्टाफ चॉपर के टेक्निकल फॉल्ट को देखता रहा। इस वजह से करीब 1 घंटे की देरी हुई। सीएम दूसरे हेलीकॉप्टर से अफसरों के साथ जांजगीर के लिए रवाना हुए।

सक्ती जिले के करिगांव में जब सीएम पहुंचे तो पेड़ के नीचे चौपाल लगाई गई। गांव वालों की खाट पर CM बैठे और सीनियर IAS खड़े रहे। कलेक्टर SP भी मौके पर पहुंचे। एक-एककर लोगों से सीएम बात करने लगे।

मंदिर सौंदर्यीकरण और पंचायत भवन निर्माण की घोषणा

ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने नोनी मैया दाई मंदिर के सौंदर्यीकरण की घोषणा की। ग्रामीणों की शिकायत पर कहा कि, अब से पटवारी को सप्ताह में एक दिन गांव में बैठकर राजस्व मामलों का निराकरण करना होगा। मुख्यमंत्री ने यहां नया ग्राम पंचायत भवन निर्माण की घोषणा भी की।

गिरते भूजल स्तर पर जताई चिंता

सीएम ने किसानों से चर्चा में गिरते भूजल स्तर पर चिंता जताते हुए कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों की ओर ध्यान देने की सलाह दी। गांव में तालाब के किनारे की जमीन को लेकर आई शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को नापजोख करने और समाधान करने के निर्देश दिए। इसके बाद सीएम का हेलीकॉप्टर कोरबा जिले के मदनपुर में उतरा। मुख्यमंत्री ने यहां समाधान शिविर लगाया।

योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने सक्ती के करिगांव पहुंचे सीएम

साय ने पीपल के नीचे खाट पर बैठकर लगाई चौपाल:लोगों की सुनी समस्याएं और मांग

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही श्रीमती सोनाई बाई के घर पहुंचकर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन का लिया जायजा

प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं से ग्रामीणों के जीवन में आ रहा है सकारात्मक परिवर्तन-मुख्यमंत्री

सक्ती।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत सक्ती जिले के ग्राम करिगांव का दौरा किया। यहां उन्होंने पीपल के वृक्ष के नीचे खाट पर बैठकर चौपाल लगाई। इस चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे, जिन्होंने मुख्यमंत्री से सीधे संवाद करते हुए अपनी समस्याएं, सुझाव और सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित कर प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सुशासन का मूल आधार जनसुनवाई और जनसरोकार से जुड़ाव है और आज की यह चौपाल उसी दिशा में एक कदम है।

पीएम आवास योजना हितग्राही के घर पहुंचे मुख्यमंत्री

चौपाल के उपरांत मुख्यमंत्री श्री साय प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की लाभार्थी श्रीमती सोनाई बाई के निर्माणाधीन आवास पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता देखी और परिवार से बातचीत करते हुए योजना से प्राप्त लाभों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने हितग्राही से पूछा कि क्या उन्हें महतारी वंदन योजना के अंतर्गत मिलने वाली सहायता राशि मिल रही है। इस पर श्रीमती सोनाई बाई ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से यह राशि प्राप्त हो रही है, जिससे उनके परिवार को आर्थिक सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने देखा कि उनके घर में जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल से जल आपूर्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि अब तो आपके घर तक पानी भी पहुंच रहा है, यह हमारे गांवों में बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है।

आवास योजना के सर्वे हेतु मुख्यमंत्री की अपील

चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नए आवास की मांग रखी। इस पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार सबके लिए आवास उपलब्ध कराने प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सर्वेक्षण कार्य 15 मई 2025 तक चल रहा है, जिसमें वे सभी लोग अपना नाम दर्ज कराएं जो अब तक इस योजना से वंचित हैं। पात्रता के अनुसार सभी को आवास देने का कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी पात्र नागरिक आवास के अधिकार से वंचित न रहे। यह केवल एक छत देने की योजना नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा देने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह नागरिकों की भागीदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही पर आधारित शासन प्रणाली है। उन्होंने कहा कि चौपाल के माध्यम से हम सीधे लोगों के जीवन से जुड़कर यह जान पाते हैं कि योजनाएं वास्तव में लोगों के जीवन में क्या बदलाव ला रही हैं। उन्होंने कहा कि जब हम किसी हितग्राही के घर जाकर पूछते हैं कि पैसा आया या नहीं, जब हम स्वयं निर्माण कार्य की गुणवत्ता को देखते हैं, तभी हमें विश्वास होता है कि योजनाएं फाइलों से निकलकर हितग्राहियों तक पहुंच रही हैं।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल का सीएम साय को पत्र

बृजमोहन बोले- सरकारी कार्डियक इंस्टीट्यूट में हार्ट-सर्जरी बंद...मरीज परेशान

लिखा- मरीजों को सिर्फ तारीख मिल रही, निजी अस्पताल लूट रहे

रायपुर (एजेंसी)।

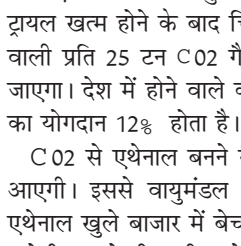

रायपुर से भाजपा के सीनियर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सीएम विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को पत्र लिखा है। सांसद अग्रवाल ने रायपुर में सरकारी कार्डियक इंस्टीट्यूट में हार्ट सर्जरी नहीं होने पर चिंता जताई है। सांसद ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि, मरीजों को सिर्फ तारीख पर तारीख मिल रही है। पत्र में सांसद ने लिखा है कि, यह दुख का विषय है कि समय-समय पर निर्देश और प्रयासों के बावजूद इस महत्वपूर्ण संस्थान में सर्जरी की सेवाएं बंद पड़ी है। जिस कारण प्रदेश की गरीब जनता इलाज से वंचित हैं। निजी अस्पतालों की लूट का शिकार होने को मजबूर है।

हर साल करीब 2.30 लाख टन कार्बन उत्सर्जन कम होगा:चिमनी से निकलने वाली गैसों से एथेनॉल बनाएगी बीएसपी, ट्रायल शुरू किया गया

भिलाई(एजेंसी)।

स्टील बनाने की प्रकिया में बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन होता है। कई देश इसे कम करने के लिए प्रयासरत हैं। यूरोपियन स्टील कंपनी रुक्की 1 टन स्टील बनाने में दुनिया में सबसे कम 1.8 से 2.3 टन कार्बन डाय ऑक्साइड (C02) का उत्सर्जन करती है।

भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) भी निरंतर उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। बीएसपी स्टील बनाने की प्रक्रिया में कोयला, आयरन ओर, चूना पत्थर को गलाने के दौरान निकलने वाली गैसों का ईंधन के रूप में उपयोग करता आया है। अब वह चिमनियों से निकलने वाली गैस से एथेनॉल बनाने जा रहा है। इसके लिए सेल (स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) ने इसी कार्य में दक्ष श्रीराम कंपनी से अनुबंध किया है।

बीएसपी प्रबंधन के मुताबिक कंपनी ने ट्रायल शुरू कर दिया है। ट्रायल खत्म होने के बाद चिमनियों से होते हुए वायुमंडल में जाने वाली प्रति 25 टन C02 गैस से 2.5 टन एथेनाल बनना शुरू हो जाएगा। देश में होने वाले कुल कार्बन उत्सर्जन में स्टील कंपनियों का योगदान 12% होता है।

C02 से एथेनाल बनने से कार्बन उत्सर्जन के प्रतिशत में कमी आएगी। इससे वायुमंडल में प्रदूषण की मात्रा भी कम होगी। एथेनाल खुले बाजार में बेचने से बीएसपी को अतिरिक्त आय होने लगेगी। इससे बीएसपी खुले बाजार में अपना स्टील कुछ सस्ता बेच सकेगी।

कार्बन उत्सर्जन घटाने बीएसपी कर रही ये तीन प्रयास

अधिक गैस को थर्मल प्लांट भेजेंगे, कोयला कम जलेगा बीएसपी प्लांट ने अंदर ही थर्मल पॉवर प्लांट लगाया गया है, जहां कोयला जलाकर बिजली तैयार की जाती है। कोयला जलने से कार्बन उत्सर्जन होता है। इसे कम करने बीएसपी अब लोहा की प्रक्रिया के दौरान स्वत: बनने वाली गैस की कुछ मात्रा थर्मल पॉवर प्लांट भेजेगा। इससे टर्बाइन चलाने में मदद ली जाएगी। दावा कि हर साल करीब 2.30 लाख टन कार्बनडाई ऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा।

फर्नेस का तापमान स्थिर रखेगी वहीं की गैस

कोक, आयरन ओर, चूना पत्थर का मिश्रण होता है। इन सबको आपस में मिलाने के लिए बहुत ज्यादा तापमान की जरूरत होती है। ब्लास्ट फर्नेस में तीनों मिलते हैं। इंधन के लिए यहां पूर्व की प्रक्रिया में निकलने वाली गैस व बिजली इस्तेमाल होती है।

कोरबा में बिजली कटौती से व्यापारी आक्रोशित: किया चक्काजाम

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा में आंधी-तूफान और बारिश के बाद बिगड़ी विद्युत व्यवस्था से परेशान व्यापारियों ने सोनालिया मुख्य चौक पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित व्यापारियों ने मुख्य मार्ग पर वाहन खड़े कर अपना गुस्सा जाहिर किया। व्यापारियों का कहना है कि कल दोपहर 3 बजे से बिजली आपूर्ति बाधित है।

सर्राफा व्यापारी संघ के कोषाध्यक्ष जितेंद्र लहरी ने कहा कि तूफान के बाद से स्थिति की जानकारी प्रशासन और विद्युत विभाग को है, फिर भी कोरबा जैसे औद्योगिक क्षेत्र में बिजली बहाली में इतनी लापरवाही चिंताजनक है। बिजली न होने से कारोबार पूरी तरह ठप है।व्यापारी सतीश गुप्ता ने बताया कि शनिवार दोपहर 3 बजे से लगातार विद्युत विभाग को फोन किया गया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अधिकारी न तो कॉल रिसीव कर रहे हैं और न ही कोई जानकारी दे रहे हैं। ऐसे में चक्का जाम करना व्यापारियों की मजबूरी बन गई।

व्यापारियों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी

वहीं व्यापारी रवि देवांगन ने कहा कि जब कोरबा जैसे पावर हब की यह स्थिति है, तो अन्य जिलों का हाल क्या होगा, इसकी कल्पना की जा सकती है। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली बहाल नहीं हुई, तो वे और भी उग्र आंदोलन करेंगे।चक्का जाम की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और व्यापारियों को समझाइश दी। इसके बाद विद्युत विभाग के अधिकारियों को बुलाया गया और मरम्मत कार्य शुरू करवाया गया। फिलहाल सुधार कार्य जारी है।

कोरबा एसईसीएल जीएम ऑफिस के सामने एंबुलेंस में लगी आग

कोरबा (दिव्य आकाश)। कोरबा में एसईसीएल जीएम ऑफिस के सामने खड़ी एक निजी एम्बुलेंस में सोमवार को आग लग गई। एसईसीएल और नगर निगम की दमकल वाहनें मौके पर पहुंचीं। हालांकि तब तक एंबुलेंस पूरी तरह जल चुकी थी। आग लगने के बाद ऑफिस में मौजूद अधिकारी और कर्मचारी बाहर निकल आए। सुरक्षा के लिए सड़क के दोनों तरफ आवाजाही रोक दी गई। एसईसीएल कर्मी शैलेश कुमार ने बताया कि घटना के बाद विभागीय एंबुलेंस को तुरंत मौके पर बुलाया गया। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

कोरबा में जिंदा जला ट्रक ड्राइवर

छत्तीसगढ़ में सड़क हादसों 7 की मौत:डिवाइडर से टकराए बाइक सवार, खड़े ट्रक में जा घुसी बस

रायपुर/कोरबा ।

छत्तीसगढ़ में बीते 24 घंटे में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में 7 लोगों की मौत हो गई। धमतरी जिले में सड़क हादसों में 3 युवकों ने दम तोड़ दिया। वहीं बलरामपुर जिले के कुसमी में तेज रफ्तार 2 बाइकों के सवार आपस में टकरा गए। हादसे में दोनों बाइक के चालकों की मौत हो गई और 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

वहीं कोरबा में 2 ट्रकों की टक्कर के बाद आग लग गई। इस दुर्घटना में एक ट्रक ड्राइवर केबिन में फंसकर जिंदा जल गया, जबकि दूसरा चालक घायल हो गया। तीसरी घटना बालोद की है, जहां जगदलपुर से रायपुर जा रही बस खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में बस कंडक्टर की मौके पर ही मौत हो गई। करीब 12 यात्री घायल हुए हैं।

पहला केस-धमतरी जिले में ग्राम भरदा निवासी टेमन साहू (20) और साहिल साहू दोनों बाइक से जा रहे थे। सोमवार सुबह लगभग 5 बजे मगरलोड में तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों दोस्त वहीं गिर गए और बाइक डेढ़ सौ मीटर दूर फेंका गई। जिसमें साहिल उर्फ दीपांशु की मौके पर ही मौत हो गई।

टेमन साहू को गंभीर अवस्था में धमतरी जिला अस्पताल लाया गया। यहां से रायपुर ले जाते समय अभनपुर के पास रास्ते में तबीयत बहुत ज्यादा बिगड़ गई, उसे वापस धमतरी लाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया ।

दूसरी घटना भखारा थाना क्षेत्र के ग्राम

चरौटा की है। ग्राम कुर्रा निवासी वीरेंद्र यादव (19) अपने साथी सोम प्रकाश (19) के साथ लोहारपथरा से वापस लौट रहा था, तभी चरोटा में अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। दोनों को घायल अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया। जहां पर वीरेंद्र यादव की मौत हो गई। सोमप्रकाश का इलाज जारी है।

दूसरा केस-बलरामपुर के कुसमी थाना क्षेत्र में कुसमी-कोरंधा मार्ग में गलफुल्ला नदी के पास रविवार रात 9.30 बजे 2 बाइक सवार आपस में भिड़ गए। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए।

हादसे में पल्सर बाइक क्रमांक सीजी 30 सी 1168 के चालक फिरोज एराकी (20 साल) और बाइक क्रमांक सीजी 15 सीबी 9498 का चालक सोनू एक्का (21 साल) की मौके पर मौत हो गई। दोनों बाइकों में सवार उनके साथी गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे का कारण तेज रफ्तार बताया जा रहा है। मृतक सोनू एक्का निवासी रातासिली अपने दोस्त मनोज के साथ मेहमानी करने ग्राम करकली शंकरगढ़ गया था और वहां से रात को वापस घर लौट रहा था।

दूसरे बाइक में सवार आयान एराकी निवासी डिंडो अपने दोस्त सैफ के साथ कृष्णनगर अपने नाना मो. कोकीम के घर कसमार आया आया था। वहां से वे बाइक में सवार होकर कुसमी की ओर जा रहे थे। आयान एराकी के साथ बाइक में सवार सैफ को भी गंभीर चोटें आई हैं।

तीसरा केस-कोरबा में सोमवार सुबह 3 बजे दो ट्रकों की टक्कर के बाद आग लग गई। इस दुर्घटना में एक ट्रक ड्राइवर केबिन में फंसकर जिंदा जल गया, जबकि दूसरा चालक घायल हो गया। मृतक चालक की पहचान 30 वर्षीय परमेश्वर मांझी के रूप में हुई, जो पथलगांव का निवासी था और कोरबा टीपी नगर से लोड के लिए रानी अटारी जा रहा था।

घटना रविवार रात दर्री थाना क्षेत्र में गेरवाघाट पूल के आगे हुई। दर्री थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। दमकल वाहन ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्रक जल चुका था।

चौथा केस-बालोद जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर सोमवार सुबह जगदलपुर से रायपुर जा रही बस खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में बस कंडक्टर की मौके पर ही मौत हो गई। करीब 12 यात्री घायल हुए हैं। घायलों का धमतरी में इलाज चल रहा है।

घटना रात 3 से 4 बजे के बीच की है। हादसे के समय अधिकतर यात्री सो रहे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के शीशे टूट गए और यात्री इधर-उधर गिरने लगे। घायलों को धमतरी जिला अस्पताल और क्रिश्चियन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

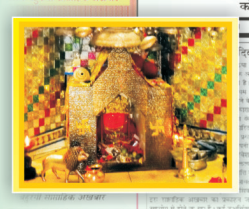

दिव्य आकाश

असतो मा सद्गमय

सफलता के 15 वर्ष पूर्ण 15th दिव्य आकाश

सुविचार
वह व्यक्ति सबसे ज्यादा खुश रहता है, जो परोपकारी होता है।

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 02 से 08 मई 2025

सऊदी अरब में रेत का बवंडर : ढक गया अल कासिम शहर

रियाद (एजेंसी)।

सऊदी अरब के अल कासिम इलाके में रविवार को धूल भरी आंधी ने पूरे शहर अपनी चपेट में ले लिया। इसकी वजह से पूरा आसमान धूल और रेत से ढक गया और विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम हो गई। यह तूफान इतना भयानक है कि 1500 से 2000 मीटर की ऊंचाई तक धूल की दीवार बन गई।

सऊदी नेशनल मेट्रोलॉजिकल सेंटर लोगों को मौसम संबंधी चेतावनियों पर नजर रखने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। इसके साथ ही जजान, असीर, अल बहा, मक्का, रियाद और अल कासिम के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

क्यों आता है रेत का तूफान

रेत का तूफान एक प्राकृतिक मौसमी घटना है, जो मुख्य रूप से रेगिस्तानी इलाके में होती है। गर्मी की वजह से इन इलाकों में कम दबाव का क्षेत्र बनता है, जिससे तेज हवाएं चलती हैं। गर्म हवाएं और अस्थिर मौसम रेत के तूफान को ट्रिगर करते हैं। कभी ठंडी और गर्म हवा के टकराव से भी तूफान उठता है।

वित्तमंत्री निर्मला ने एशियन बैंक से पाकिस्तान की मदद रोकने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान की इंटरनेशनल फंडिंग रोकने की रणनीति बना रहा है। इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) के प्रमुख से मुलाकात की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक निर्मला सीतारमण ने ADB के डायरेक्टर मसाटो कांडा से मुलाकात में पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक मदद घटाने की मांग की है। इसके साथ ही निर्मला ने इटली के वित्त मंत्री से मुलाकात जियानकार्लो जियोर्जेटी से पाकिस्तान के फंड रोकने पर चर्चा की है।

पाकिस्तान को FATF ग्रे लिस्ट में भेजने की रणनीति बना रहा भारत

पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) की ग्रे लिस्ट में भेजने के लिए भारत यूरोपीय देशों के साथ मुलाकात कर रहा है। भारत का आरोप है कि पाकिस्तान को मिलने वाला पैसा आतंकवाद में इस्तेमाल हो रहा है। इससे पहले भारत पाक के साथ व्यापार रोकने, एयरोस्पेस बैन करने, वीजा निलंबित करने और सिंधु जल समझौता रद्द करने जैसे कड़े फैसले ले चुका है।

पुतिन बोले- आतंकवाद के खिलाफ भारत को फुल सपोर्ट : रूसी राष्ट्रपति इस साल भारत आएंगे, यूक्रेन वॉर के बाद पहली इंडिया विजिट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को पीएम मोदी को फोन करके पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए 26 लोगों के लिए संवेदना जाहिर की। इसके साथ ही आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में भारत को पूर्ण समर्थन देने की बात कही।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने X पोस्ट में कहा कि बातचीत के दौरान रूसी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि हमले में शामिल और उनके पीछे को लोगों को कटघरे में लाया जाना चाहिए।

रणधीर जायसवाल X पोस्ट में लिखा-

राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया और भारत के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को कटघरे में लाया जाना चाहिए।

पुतिन यूक्रेन वॉर के बाद पहली बार भारत आएंगे

राष्ट्रपति पुतिन इस साल भारत आएंगे दौरे पर आएंगे। उनकी विजिट के लिए तैयारियां की जा रही हैं। हालांकि, अभी तक उनकी विजिट किस महीने या तारीख को होगी इसकी जानकारी सामने नहीं आएगी। 2022 में यूक्रेन वॉर शुरू होने के बाद पुतिन की यह पहली भारत यात्रा है।

इससे पहले पुतिन 2021 में सिर्फ 4 घंटे के लिए भारत आए थे। इस दौरान भारत और रूस के बीच 28 समझौते पर दस्तखत हुए थे। इसमें मिलिट्री और तकनीकी समझौते थे। दोनों देशों ने 2025 तक 30 अरब डॉलर (2 लाख 53 हजार करोड़ रुपए) सालाना ट्रेड का टारगेट रखा था।

अरेस्ट वारंट जारी होने के बाद दूसरे देशों की यात्रा से बच रहे पुतिन

मार्च 2023 में ICC ने पुतिन के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया था। कोर्ट ने यूक्रेन में बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के आरोपों के आधार पर पुतिन को वॉर क्राइम्स के लिए जिम्मेदार माना था।

यह पहला मौका था जब ICC ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के किसी स्थायी सदस्य देश के टॉप लीडर के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया था। अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस UNSC के स्थायी सदस्य हैं।

इसके बाद से पुतिन दूसरे देशों की यात्राएं करने से बचते रहे हैं। वह पिछले साल G20 समिट में शामिल होने भारत नहीं आए थे। इस साल ब्राजील में हो रहे G20 समिट में भी हिस्सा नहीं लिया है। उनकी जगह विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव दोनों कार्यक्रम में शामिल हुए।

हमले वाले दिन भी भारत का सपोर्ट किया था

रूस 22 अप्रैल को पहलगाम हमले वाले दिन भी भारत के लिए अपना सपोर्ट जाहिर किया था। तब राष्ट्रपति पुतिन ने कहा था कि पहलगाम हमले के अपराधियों को सख्त सजा मिलेगी। हम भारत के साथ हैं। हमारी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ है। हम सभी घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

अफगानिस्तान के पूर्व उप राष्ट्रपति बोले

भारत ने दुश्मन के गले में लंबी रस्सी डाल दी है

काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के पूर्व उप-राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाक के बीच हुए तनाव पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर

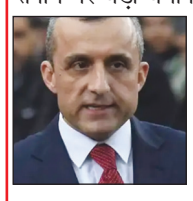

लिखा- ऐसा लगता है कि भारत ने अपने दुश्मनों को सजा देने के लिए इलेक्ट्रिक चेयर का इस्तेमाल करने के बजाए उनके गले में लंबी रस्सी लपेट दी है। सालेह के इस बयान का मतलब है कि भारत अपने दुश्मनों का एक झटके में काम तमाम करने के बजाए उस पर पूरी तरह से शिकंजा कसकर तिल-तिलकर सजा दे रहा है।

चीन पर टैरिफ को लेकर ट्रम्प का यू-टर्न :कहा- उसकी अर्थव्यवस्था संकट में

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इशारा दिया है कि वे चीन पर लगाए गए टैरिफ को कम कर सकते हैं। उन्होंने ये माना कि मौजूदा टैरिफ दरें इतनी ज्यादा हैं कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने एक-दूसरे के साथ व्यापार करना ही बंद कर दिया है। ट्रम्प ने NBC के एक शो में कहा कि किसी भी समय मैं चीन पर टैक्स घटा दूंगा, क्योंकि अगर ऐसा नहीं किया गया तो उनके साथ व्यापार करना मुमकिन नहीं होगा और वे व्यापार करना चाहते हैं। ट्रम्प ने इशारा किया कि चीन की इकोनॉमी इस वक्त मुश्किल में है। वहां फैक्ट्रियों में कामकाज 2023 के बाद से सबसे बुरी हालत में है। एक्सपोर्ट के ऑर्डर भी काफी गिर गए हैं। अपनी अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत ट्रम्प ने अमेरिका में सामान बेचने वाले सभी देशों पर 10% टैरिफ लगाया था।

7 मई को देशभर में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल होगी : पीएम ने रक्षा सचिव से मुलाकात की, पंजाब बॉर्डर से पाकिस्तानी घुसपैठिया अरेस्ट

पहलगाम/नई दिल्ली (एजेंसी)।

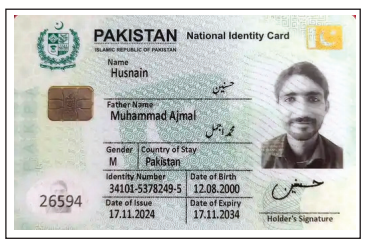

पंजाब में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ठाकुरपुर गांव में BSF ने पाकिस्तानी नागरिक को अरेस्ट किया है। आरोपी से पास आईडी कार्ड भी मिला है। जिस पर उसकी पहचान हुसनैन लिखी है और वह गुज्जरांवाला का रहने वाला है।

गृह मंत्रालय ने कुछ राज्यों को 7 मई को सिविल डिफेंस से जुड़ी मॉक ड्रिल करने के निर्देश दिए हैं। सरकार के मुताबिक, मॉक ड्रिल के दौरान इन बातों पर जोर दिया जाएगा —

- एयर रेड सायरन की जांच और इस्तेमाल।
- आम लोगों और छात्रों को हमले की स्थिति में खुद को बचाने की ट्रेनिंग।
- ब्लैकआउट की व्यवस्था।
- जरूरी ठिकानों को छुपाने की तैयारी।
- इलाके खाली कराने की योजना को अपडेट करना और उसका अभ्यास।

इस मॉक ड्रिल का मकसद लोगों को किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार करना है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की। वहीं पिछले दिनों वे एयरचीफ मार्शल एपी सिंह और नेवी चीफ दिनेश कुमार त्रिपाठी से भी मिल चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वायुसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी को युद्ध की तैयारियों पर जानकारी दी। रविवार की इस मीटिंग में बताया कि एयर फोर्स हर हालात से निपटने को तैयार है। पश्चिमी सीमा पर डिफेंस नेटवर्क भी पूरी तरह एक्टिव है और राफेल भी तैयार हैं।

इधर, भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर BSF ने पाकिस्तानी नागरिक को अरेस्ट किया है। आरोपी की गिरफ्तारी गांव ठाकुरपुर के पास सीमा पर हुई। आरोपी से पास आईडी कार्ड भी मिला है। जिस पर उसकी पहचान हुसनैन लिखी है और वह गुज्जरांवाला का रहने वाला है।

उधर पाकिस्तान ने सोमवार को एक और मिसाइल का टेस्ट किया। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि सतह से सतह पर मार करने वाली इस मिसाइल की रेंज 120 किलोमीटर है। इससे पहले 3 मई को पाकिस्तान ने बताया था कि हमने बैलिस्टिक मिसाइल अब्दाली का सक्सेसफुल टेस्ट किया। इस मिसाइल की रेंज 450 किमी है।

बालको ने सुरक्षित और समावेशी कार्यस्थल के संकल्प को दोहराया

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने मजदूर दिवस के अवसर पर सुरक्षित, डिजिटल और समावेशी कार्यस्थल निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। प्रचालन क्षेत्र में 11,000 से अधिक कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों के साथ कंपनी एक ऐसी कार्य संस्कृति को बढ़ावा दे रही है, जहाँ सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। डिजिटलीकरण से कार्य प्रक्रियाएं अधिक कुशल बनी हैं और इससे कर्मचारियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

बालको में सुरक्षा साझी जिम्मेदारी है, सभी कर्मचारी एवं आगंतुक सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं। पूरे प्लांट में अग्नि एवं सड़क सुरक्षा जैसे विषय पर होने वाली मासिक चर्चाएं सुरक्षा संस्कृति को और मजबूती प्रदान करती हैं। इन कार्यों को एआई-संचालित निगरानी प्रणालियों तथा डिजिटल सुरक्षा डिस्प्ले के सहयोग से जोखिमों की पहचान तथा सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कर कंपनी के शून्य-हानि दर्शन की प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।

कंपनी ने डिजिटलाजेशन से कर्मचारियों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया है जिससे प्रचालन का कार्य सुरक्षित व दक्षता के साथ हो रहा है। पॉटलाइन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआर/वीआर प्रशिक्षण ने कर्मचारियों को सुरक्षित एवं नियंत्रित वातावरण में जटिल कार्यों के लिए तैयार होने में सक्षम बनाया है। मैटेरियल मूवमेंट और कास्ट हाउस के कार्यों का संचालन रियल-टाइम डैशबोर्ड और स्वचालित ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से अधिक पारदर्शिता और दक्षता के साथ किया जाता है। इन्वेंट्री प्रोसेसिंग से लेकर इंटरलॉक प्रोटेक्शन तक डिजिटल टूल टीम को तेजी से निर्णय लेने, जोखिमों की पहचान करने और कार्यस्थल के तनाव को कम करने में सहायक हैं।

बालको में स्वास्थ्य और कल्याण कार्यस्थल से शुरू होता है, जहाँ नियमित जांच और स्वास्थ्य जांच के माध्यम से निवारक देखभाल दैनिक कार्यों में अंतर्निहित है। कर्मचारियों और उनके परिवारों के पास बालको अस्पताल के 100 से अधिक बेड वाले मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की सेवाएं सुलभ हैं, जहाँ उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा उन्नत चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त होती हैं।

बालको शारीरिक देखभाल के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देता है। कर्मचारियों को मेंटल वैलनेस एप्लिकेशन भी मुहैया कराई गई है जो गोपनीय रूप से परामर्श और आवश्यक संसाधन प्रदान करती है। जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए बालको विभिन्न मैराथन, टूर्नामेंट और फिटनेस पहल का आयोजन भी करता है, जो शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ सामुदायिक एकता को भी मजबूत करते हैं। ये सभी प्रयास मिलकर एक ऐसे कार्यस्थल का निर्माण करते हैं जो पेशेवर और व्यक्तिगत विकास दोनों को प्राथमिकता देता है।

बालको की हाउसकीपिंग टीम की सदस्य संतोषी चौहान ने कहा कि बालको में सुरक्षा सिर्फ़ एक नियम नहीं है बल्कि यह जीवन जीने का एक तरीका है। हम बुनियादी सुरक्षा नियमों का पालन किए बिना अपना दिन शुरू नहीं करते हैं। अनुशासन की यह संस्कृति मुझे आत्मविश्वास देती है और यह गर्व की बात है कि मैं ऐसे कार्यस्थल का हिस्सा हूँ, जहाँ सुरक्षा और सम्मान दोनों साथ चलते हैं।

बालको जागरूकता, भागीदारी और स्वामित्व को बढ़ावा देने वाले स्ट्रक्चर्ड प्लैटफॉर्मों के माध्यम से अपने कार्यस्थल की संस्कृति को मजबूती प्रदान किया है। इनमें सुरक्षा संकल्प जैसे मासिक कार्यक्रम शामिल हैं जो कंपनी का प्रमुख सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम है। यह मंच कर्मचारियों और भागीदारों को अपने विचार साझा करने और संवाद करने का अवसर देता है। कंपनी के कर्मचारी बालको प्रीमियर लीग, वॉलीबॉल टूर्नामेंट और सामुदायिक मैराथन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से खेल और मनोरंजन में भाग लेते हैं।

श्रमिक हमारी असली ताकत - राजेश

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने मजदूर दिवस पर कंपनी में कार्यरत श्रमिकों को असली ताकत बताया। हम जो भी उपलब्धि हासिल करते हैं, वह उनकी क्षमता, प्रतिबद्धता और एक-दूसरे का ख्याल रखने के गुणों पर आधारित होती है। हमारी हर उपलब्धि उनकी प्रतिबद्धता, क्षमता और पारस्परिक सहयोग की भावना का प्रमाण है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा कार्यस्थल बनाना है, जहाँ वे सुरक्षित, सशक्त और समर्थित महसूस करें।

सुविचार

निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा ईश्वर की असली प्रार्थना है...।

भारत के सख्त रूख से बौखलाया पाकिस्तान

पहलगाम हमला के बाद भारत एक के बाद एक कड़े फैसले ले रहा है, जिससे पाकिस्तान बौखला गया है और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज खान ने भारत से हमले का सबूत मांग डाला। उधर भारत ने पक्के सबूत की बदौलत पाकिस्तान से आरपार की लड़ाई में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है और प्रधानमंत्री ने एयरफोर्स चीफ को आवश्यक रणनीति के तहत कार्यवाही के लिए स्वतंत्र कर दिया है। रविवार को एयरफोर्स चीफ ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की और दोनों के बीच गुप्त वार्ता हुई। भारत किसी भी हद तक आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का एलान कर दिया है। भारत ने पाकिस्तान के हर नापाक इरादे को नेस्तनाबूत करने का संकल्प लिया है और देश की जनता से वादा किया है कि पहलगांव हमले में मारे गए सभी निर्दोष लोगों के बदले आतंकवादियों को कड़ी से कड़ी सजा देंगे और धरती के किसी भी कोने में छुपे होंगे, ढूंढ़ -ढूंढ़ कर मारेंगे। भारत ने पाकिस्तान की आर्थिक रीढ़ को भी तोड़ने की पूरी तैयारी कर ली है और सभी तरह का आयात रोक दिया है। पाक झंडे वाले जहाजों की भारतीय बंदरगाहों में एंट्री पूरी तरह रोक दी है। उधर पाकिस्तान के रक्षामंत्री ने भारत को गीदड़ धमकी भी दे डाली और कहा-यदि भारत सिंधू नदी में डेम बनाता है तो सैन्य कार्यवाही करेंगे। इधर भारत के लोगों ने साफतौर पर कहा है कि इस बार पाकिस्तान को जवाब देना जरूरी है, ताकि आतंकवाद का यह गढ़ कभी फिर निर्दोष लोगों पर ऐसी नापाक हरकत न कर बैठे। भारत में सीमा पर भी निगरानी बढ़ा दी है और घुसपैठियों पर पैनी नजर रख रहा है।

संपादक

अवकाश को अवसर में बदलें

गर्मी की छुट्टी में भी अध्ययन बंद ना हो

भीषण गर्मी को देखते हुए राज्य शासन ने नियत समय से पहले स्कूल से बच्चों को अवकाश दे दिया। अब गर्मी के अवकाश में बच्चे मस्ती करेंगे, घूमेंगे-फिरेंगे और मोबाईल में समय बीताएंगे। अवकाश का मतलब पढ़ाई से छुट्टी नहीं होता, बल्कि घर में रहकर कुछ घंटे के लिए पढ़ाई का भी होता है। विद्यालय में आज पढ़ाई का बोझ कुछ ज्यादा ही होता है, जिसके कारण 10 माह स्कूल की पढ़ाई, घर का होमवर्क, ऊपर से अभिभावकों के दबाव के कारण दो-तीन घंटे तक ट्यूशन की पढ़ाई...ऊफ! सिर्फ 10 महीने तक पढ़ाई ही पढ़ाई... यहां तक के लिए बच्चों के पास खेलने का समय भी नहीं निकल पाता। इतना स्ट्रैस... विद्यार्थी जीवन के लिए ठीक नहीं। बच्चे पढ़ाई को उत्सव के रूप में लें... ना कि स्ट्रैस। विद्यार्थी जीवन का मजा तभी है, जब पढ़ाई के लिए कड़े संघर्षों के साथ-साथ पर्याप्त खेलने का भी वक्त मिले। बच्चे गर्मी की छुट्टी में पूरा समय खेलने में बीता देते हैं और पुस्तक से कोसों दूर चले जाते हैं, यह भी ठीक नहीं।

गर्मी की छुट्टी में मस्ती करें, खेलें, रिश्तेदारों के घर घूमें-फिरें लेकिन वक्त का तकाजा है कि पुस्तक से दूर कभी ना हों। विद्यालयीन पुस्तकों का अध्ययन कुछ घंटे जरूर करें और गर्मी की छुट्टी में समान्य ज्ञान, कौशल विकास, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक विकास, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें अवश्य पढ़ें। मस्तिष्क को तरोजाता करने के लिए मनोरंजक पुस्तकों का अध्ययन करना बेहतर होगा। पुस्तक हमारे सच्चे मित्र होती हैं और सच्चे मित्र का सानिध्य निरंतर जीवन में मिलता रहे, तो जीवन सरल होता है और समस्याओं का समाधान भी मिलता है। पुस्तक हमें सबकुछ सीखाती हैं। जीवन जीने की कला, जीवन में अनुशासन, बड़ों और छोटों के साथ व्यवहार करना, जीवन में सामाजिक कार्यों का महत्व, सेवा का महत्व, परिवार का महत्व... और ना जाने जीवन में क्या-क्या सीखा जाती हैं पुस्तकें। पुस्तकों का साथ... मायने ... जीवन में सुख-समृद्धि-सफलता। इति

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

नारी शक्ति का दम

लेफ्टिनेंट कमांडर दिव्या शर्मा ने रचा इतिहास, बनी नौसेना की पहली महिला उड़ान प्रशिक्षक

अंडमान और निकोबार कमांड में एक विशिष्ट नौसैनिक वायु स्क्वाड्रन की डोर्नियर पायलट लेफ्टिनेंट कमांडर दिव्या शर्मा भारतीय नौसेना की योग्य उड़ान प्रशिक्षक बनने वाली पहली महिला बन गई हैं। बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में, एएनसी ने कुछ तस्वीरें भी साझा कीं।

माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया गया- 'आईएनएस उत्क्रोश' पर 'आईएनएएस 318' की डोर्नियर पायलट लेफ्टिनेंट कमांडर दिव्या शर्मा ने भारतीय नौसेना की पहली महिला योग्य उड़ान प्रशिक्षक के रूप में इतिहास रच दिया। अग्रणी आसमान और पीढ़ियों को प्रेरित करने वाली। #NariShakti #WomenInUniform #QFI #NavalComponent #ANC INS उत्क्रोश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पोर्ट ब्लेयर में एक नौसैनिक हवाई स्टेशन है।

रक्षा मंत्रालय ने पहले बताया था कि आईएनएएस 318 अंडमान और निकोबार कमांड में एक विशिष्ट नौसेना वायु स्क्वाड्रन है, जो 8 मार्च, 1984 को अपनी कमीशनिंग के बाद से लगातार निगरानी की भूमिका में है। स्क्वाड्रन ने आइलैंडर विमानों को शामिल करने के साथ अपनी यात्रा शुरू की, जिन्हें 1999 में डोर्नियर विमानों द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था। डोर्नियर विमान अत्याधुनिक समुद्री गश्ती रडार का उपयोग करके लंबी दूरी की समुद्री निगरानी करने में सक्षम है।

मेकअप से हो सकती है ये गंभीर बीमारी

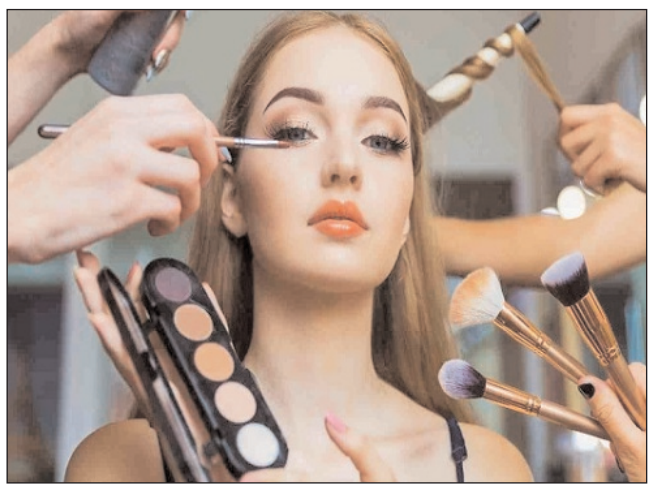

आजकल मेकअप सिर्फ फैशन नहीं बल्कि डेली लाइफ का हिस्सा बन गया है। खासकर महिलाओं के लिए ऑफिस, पार्टी या यात्रा के दौरान खूबसूरत दिखना जरूरी होता है, इसलिए वे वाटरप्रूफ मेकअप का इस्तेमाल करती हैं। ये मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है और पसीना या पानी लगने पर भी खराब नहीं होता। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये वाटरप्रूफ मेकअप आपके हार्मोन बैलेंस को बिगाड़ सकता है?

हार्मोन असंतुलन क्या है

जब शरीर में किसी हार्मोन की मात्रा बहुत ज्यादा या बहुत कम हो जाती है, तो उसे हार्मोन असंतुलन कहा जाता है। महिलाओं में इसके कारण पीसीओएस, थायराइड, वजन बढ़ना, अनियमित पीरियड्स, मूड स्विंग, नींद की दिक्कत और त्वचा व बालों की समस्याएं हो सकती हैं।

एक्सपर्ट्स क्या कहते हैं?

एक रिसर्च के अनुसार, हार्वर्ड पब्लिक स्कूल ने वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स पर स्टडी की जिसमें पाया गया कि इनमें हाई फ्लोरीन जैसे केमिकल्स पाए जाते हैं। ये केमिकल्स शरीर के हार्मोन्स जैसे एस्ट्रोजन और टेस्टोस्टेरोन को प्रभावित कर सकते हैं। लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर इससे बांझपन, हार्मोनल बीमारियां और यहां तक कि स्तन कैंसर का खतरा भी बढ़ सकता है।

कैसे वाटरप्रूफ मेकअप हार्मोन असंतुलन का कारण बनता है?

फिनोक्सीएथेनॉल

इस केमिकल का इस्तेमाल मेकअप प्रोडक्ट्स को लंबे समय तक खराब होने से बचाने के लिए होता है। यह त्वचा के जरिए शरीर में जाकर एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन की नकल करता है, जिससे शरीर की प्राकृतिक हार्मोन प्रक्रिया बाधित हो सकती है। रिसर्च में ये भी सामने आया है कि यह थायराइड ग्रंथि को भी प्रभावित कर सकता है।

फ्थेलेट्स

इनका इस्तेमाल मेकअप को सॉफ्ट और लचीला बनाने के लिए किया जाता है। खासकर DEHP और DBP नामक फ्थेलेट्स को टेस्टोस्टेरोन को कम करने से जोड़ा गया है। इससे पुरुषों में स्पर्म की गुणवत्ता और प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है। महिलाओं में ये हार्मोनल बदलाव और गर्भधारण में दिक्कत पैदा कर सकता है।

पैराबेन्स

यह एक प्रिज़र्वेटिव है जो काजल, लिपस्टिक, फाउंडेशन आदि में मिलाया जाता है। यह शरीर में जाकर एस्ट्रोजन रिसेप्टर्स को सक्रिय कर देता है, जिससे एस्ट्रोजन की मात्रा बढ़ जाती है। इसके कारण अनियमित पीरियड्स, मूड स्विंग, ब्रेस्ट में गांठ और कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

ये केमिकल खासतौर पर लोकल ब्रांड्स में ज्यादा मिलाए जाते हैं ताकि मेकअप ज्यादा आकर्षक लगे। लेकिन ये शरीर में जमा होकर प्रजनन हार्मोन्स को प्रभावित करते हैं और मेनोपॉज संबंधी दिक्कतों का कारण बन सकते हैं।

कैसे करें बचाव?

मेकअप प्रोडक्ट खरीदने से पहले उसकी सामग्री का लेबल जरूर पढ़ें। जिन उत्पादों में ऊपर बताए गए केमिकल्स हों, उनसे बचें। जब भी संभव हो, ऑर्गेनिक या नेचुरल मेकअप प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल करें। त्वचा पर कम से कम केमिकल युक्त चीजें लगाएं।

खूबसूरत दिखने की चाह में हम अनजाने में अपने स्वास्थ्य से समझौता कर बैठते हैं। वाटरप्रूफ मेकअप भले ही सुविधाजनक हो, लेकिन इसका लंबे समय तक लगातार इस्तेमाल नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए समझदारी से प्रोडक्ट चुनें और जहां तक हो सके, नेचुरल विकल्प अपनाएं। एजेंसी।

बर्फ से ढके पहाड़ और खूबसूरत नजारे इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। अगर आप एडवेंचर लवर हैं, तो आपको यहां पहुंचकर काफी मजा आएगा। हालांकि यहां पर पहुंचना भी किसी एडवेंचर से कम नहीं है।

चंद्रताल लेक: एडवेंचर्स के हैं शौकीन तो हिमाचल की इस लेक को करें एक्सप्लोर

आप में से अधिकतर लोग शिमला, मनाली, कसोल और कसौली जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर चुके होंगे। ऐसे में अगर आप भी हिमाचल प्रदेश की भीड़भाड़ वाली जगहों को छोड़कर सुकून और ऑफबीट प्लेसेस को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो स्पीति वैली की एक जगह आपके लिए परफेक्ट है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं चंद्रताल लेक की। जिसको मून लेक भी कहा जाता है। हिमाचल की स्पीति घाटी में 4,300 मीटर की ऊंचाई पर यह स्थित है। अगर आप नेचर के खूबसूरत और मनमोहक नजारों का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो चंद्रताल लेक आपके लिए बेस्ट है।

यहां पर बर्फ से ढके पहाड़ और खूबसूरत नजारे इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। अगर आप एडवेंचर लवर हैं, तो आपको यहां पहुंचकर काफी मजा आएगा। हालांकि यहां पर पहुंचना भी किसी एडवेंचर से कम नहीं है।

ऐसे पहुंचे चंद्रताल लेक

दिल्ली से चंद्रताल लेक तक बाय रोड दो रास्ते हैं। पहला रास्ता मनाली से और दूसरा रास्ता शिमला से होकर जाता है। ऐसे में आपको तय करना है कि आपको किस ओर से चंद्रताल लेक जाना है।

ऐसे जाएं शिमला से चंद्रताल लेक

यह रास्ता दिल्ली से शुरू होता है और नारकंडा की तरफ जाता है। यहां से फिर आप कल्पा जा सकते हैं और काजा और नाको की यात्रा कर सकते हैं। स्पीति घाटी में आप एक छोटा सा ब्रेक लेने के बाद चंद्रताल लेक की ओर जा सकते हैं। आप शिमला से किन्नौर तक और फिर स्पीति घाटी की ओर जा सकते हैं। स्पीति घाटी पहुंचने के बाद आप चंद्रताल लेक पहुंच सकते हैं।

ऐसे जाएं मनाली से चंद्रताल लेक

अगर आप चंद्रताल लेक के लिए छोटा रास्ता चाहते हैं, तो मनाली मार्ग आपके लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है। वहीं अगर आप दिल्ली से जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आप मंडी, रोहतांग ला, कुल्लू ग्रैम्फू और बट्टल से होकर यहां तक पहुंचेंगे।

मनाली से चंद्रताल

मनाली और काजा के बीच सुबह-सुबह दो बसें चलती हैं। बस सुबह 04:30 बजे कुल्लू से चलती है और मनाली ले जाती है। यहां से काजा का टिकट मुश्किल से 250 रुपए प्रति व्यक्ति पड़ता है। एक बार जब आप शाम तक चंद्रताल डायवर्जन पॉइंट पर उतर जाते हैं, तो यहां से अपना रास्ता हाइकिंग के जरिए पूरा कर सकते हैं।

शिमला से चंद्रताल

शिमला से चंद्रताल के लिए दो नॉन एसी बसें हैं, जो शिमला से रिकांग पियो तक जाती हैं। रिकांग पियो जाने पर काजा पहुंचें और सुबह 07.00 बजे एचआरटीसी बस में बैठें। काजा से मनाली के लिए बस से सफर करें और चंद्रताल झील मोड़ पॉइंट पर उतरें। यहां से आप हाइकिंग के माध्यम से चंद्रताल लेक पहुंच सकते हैं।

चंद्रताल झील घूमने का सही समय

चंद्रताल झील घूमने का सही समय जून से सितंबर के बीच होता है। अगर आप सर्दियों के मौसम में यहां पर ट्रिप प्लान कर रहे हैं, तो यह सही समय नहीं है। क्योंकि यहां पर बर्फ से सड़कें जाम रहती हैं। वहीं मई के महीने में बर्फ साफ होने लगती है। यहां पर जून से सितंबर तक सड़क खुली रहती हैं और मौसम सुहावना रहता है ,एजेंसी।

द भूतनी | एक हॉरर-कॉमेडी जो डराने के साथ-साथ दिल भी छू जाती है

मुंबई (एजेंसी)।

'द भूतनी' सिर्फ अपनी कहानी से नहीं, बल्कि उसकी पेशकश के अंदाज़ से भी इंप्रेस करती है। श्रेयस कृष्णा की सिनेमैटोग्राफी हर फ्रेम में एक माहौल गढ़ती है—कभी रहस्यमय, तो कभी जादुई। विजुअल इफेक्ट्स डर को बढ़ाते हैं, लेकिन जरूरत से ज्यादा नहीं जाते। वहीं, बंटी नेगी की एडिटिंग फिल्म की रफ्तार को थामे रखती है—ना कोई खिंचाव, ना ठहराव—हर सीन को उसके असर के साथ चलने दिया गया है।

राइटर और डायरेक्टर: सिद्धांत सचदेव
कास्ट: संजय दत्त, मौनी रॉय, सनी सिंह, पलक तिवारी, निकुंज शर्मा, आसिफ खान और अन्य
ड्यूरेशन: 2 घंटे 10 मिनट
रेटिंग- 3.5

हॉरर और कॉमेडी का कॉम्बिनेशन जब सही बैठता है, तो वो दर्शकों को डराने के साथ-साथ खूब हँसाता भी है। 'द भूतनी' भी ऐसी ही एक कोशिश है, जो देसी अंदाज़ में डर, रोमांस और इमोशन का तड़का लगाती है। कॉलेज की दुनिया, लोककथाओं की छाया और अधूरी मोहब्बत की तड़प—इन सबको मिलाकर डायरेक्टर सिद्धांत सचदेव ने एक अलग ही दुनिया रची है। तो क्या ये हॉरर-कॉमेडी फिल्म आपको बांध पाएगी?

कहानी

कहानी शुरू होती है एक वॉइस ओवर से, जो हमें एक यूनिवर्सिटी के उस रहस्यमयी वर्जिन ट्री के बारे में बताता है, जिसके बारे में मान्यता है कि वो सच्ची मोहब्बत मांगने वालों की मुरादें पूरी करता है। लेकिन इस पेड़ से जुड़ी एक डरावनी सच्चाई भी है—सालों पहले इसी कैंपस में कई छात्रों की रहस्यमयी मौतें हो चुकी हैं। धीरे-धीरे यह पेड़ हॉन्टेड माना जाने लगता है।

कट टू प्रेज़ेंट डे, यहां आता है शांतनु, एक ऐसा लड़का जो प्यार में टूटा हुआ है और अपनी बेबसी में उसी पेड़ के पास जा पहुंचता है। जैसे ही वो सच्चे प्यार की गुहार लगाता है, अजीब घटनाएं शुरू हो जाती हैं। एक साया, एक डर, और किसी की मौजूदगी का अहसास और सब कुछ बहुत तेजी से बदलने लगता है। तभी उसकी जिंदगी में दो लड़कियां आती हैं एक दोस्त, जो हर कदम पर साथ है लेकिन रहस्यमयी भी लगती है; और दूसरी, जो अचानक उसकी ज़िंदगी में आती है और उसका दिल चुरा लेती हैज पर वो इंसान नहीं, आत्मा है।

इस सबके बीच एंट्री होती है एक पुराने छात्र की, जिसे सब बाबा कहते हैं, वो पैरानॉर्मल एक्सपर्ट है और उसे इस पेड़ से जुड़ा सच मालूम है। जैसे-जैसे होलिका दहन नज़दीक आता है, खतरे भी बढ़ते जाते हैं। अब सवाल ये है कि क्या शांतनु अगला शिकार बनेगा? क्या मौनी का प्यार मोहब्बत है या मौत का जाल? क्या पलक वाकई इंसान है या उसकी कोई अपनी कहानी है? आखिर क्या होगा शांतनु, मौनी और पलक का? क्या बाबा सबको बचा पाएंगे? या फिर एक बार फिर वही वर्जिन ट्री किसी और की जान ले लेगा?

परफॉर्मेंस

इस दिलचस्प कहानी को जिंदा करते हैं इसके किरदार, और सबसे पहले जिक्र होना चाहिए संजय दत्त का, जो बाबा बनकर स्क्रीन पर छा जाते हैं। पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर के रूप में उनका स्वैग, उनकी स्टाइल और डायलॉग डिलीवरी सबकुछ मजेदार भी है और दमदार भी। हंसी और हीरोपंती का ये कॉम्बो उनके फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

सनी सिंह शंतनु के रोल में पूरी ईमानदारी से उतरते हैं। एक दिल टूटा, इमोशनल लड़का जो प्यार में डूबा हुआ है, सनी ने उसे बड़ी सादगी से निभाया है। उनकी मासूमियत और जज्बा दोनों स्क्रीन पर अच्छे से उभरते हैं।

पलक तिवारी अनन्या के किरदार में एक खामोश गहराई लेकर आती हैं। उनके एक्सप्रेशन और परफॉर्मेंस में एक अपनापन है, जो दर्शकों को जोड़ने का काम करता है। वहीं निकुंज शर्मा और आसिफ खान की जोड़ी हँसी का फुल डोज़ है। इनकी ट्यूनिंग और पंचलाइन डिलीवरी दर्शकों को कई बार खुलकर हँसने पर मजबूर करती है।

मौनी रॉय की बात करें तो वो मोहब्बत के किरदार में सबसे रहस्यमयी और असरदार दिखती हैं। उनकी आंखों में डर है, पर उनके किरदार में छिपा दर्द भी झलकता है। मौनी ने इस रोल को बेहद खूबसूरती से निभाया है, जो फिल्म खत्म होने के बाद भी याद रहता है।

तकनीकी पकड़ से सजी कहानी

'द भूतनी' सिर्फ अपनी कहानी से नहीं, बल्कि उसकी पेशकश के अंदाज़ से भी इंप्रेस करती है। श्रेयस कृष्णा की सिनेमैटोग्राफी हर फ्रेम में एक माहौल गढ़ती है—कभी रहस्यमय, तो कभी जादुई। विजुअल इफेक्ट्स डर को बढ़ाते हैं, लेकिन जरूरत से ज्यादा नहीं जाते। वहीं, बंटी नेगी की एडिटिंग फिल्म की रफ्तार को थामे रखती है—ना कोई खिंचाव, ना ठहराव—हर सीन को उसके असर के साथ चलने दिया गया है।

संगीत में धमक और जज्बात दोनों

संतोष नारायणन का म्यूज़िक यहां सिर्फ गानों की गूंज नहीं, बल्कि कहानी का हिस्सा बनता है। आया रे बाबा से लेकर महाकाल तक, हर ट्रैक फिल्म के मूड और कल्चर को बखूबी कैरी करता है। बैकग्राउंड स्कोर कभी डराता है, कभी बेचैनी बढ़ाता है और कई बार चुपचाप इमोशन को जगह देता है। डायलॉग्स की बात करें तो वो किरदारों के रंग में ऐसे घुले हैं कि लगता है जैसे असली ज़िंदगी की बात हो रही हो—तेज़, तंज़ भरे और पूरी तरह मसालेदार।

दिल से जुड़ने वाली हॉरर-कॉमेडी

लेकिन असली जीत वहां है जहां फिल्म डर और हंसी से आगे जाकर दिल से जोड़ती है। ये सिर्फ आत्माओं की कहानी नहीं, बल्कि उस तड़प की है जो किसी को समझे जाने की उम्मीद में छुपी होती है। 'द भूतनी' रंगों, त्योहारों और रिश्तों की भी बात करती है। ये फिल्म आपको हँसाती है, डराती है और फिर कहीं न कहीं चुपचाप छू भी जाती है। यही बैलेंस इसे खास बनाता है, ये न सिर्फ देखने लायक है, बल्कि महसूस करने वाली फिल्म है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर फूटा जावेद अख्तर का गुस्सा, पाकिस्तान को घर में घुसकर, आईना दिखाने की कही बात

मुंबई (एजेंसी)।

गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले पर विचार किया और कश्मीरियों के बारे में बात की। फिल्म लेखक दिल्ली में फिक्की के कार्यक्रम में बोल रहे थे, जब उन्होंने घातक हमले के बाद कश्मीरियों को परेशान करने की कोशिश करने वालों की आलोचना की।

गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले पर विचार किया और कश्मीरियों के बारे में बात की। फिल्म लेखक दिल्ली में फिक्की के कार्यक्रम में बोल रहे थे, जब उन्होंने घातक हमले के बाद कश्मीरियों को परेशान करने की कोशिश करने वालों की आलोचना की, जिसमें पर्यटकों और विदेशी नागरिकों सहित 26 लोगों की जान चली गई। 78 वर्षीय जावेद अख्तर ने कहा कि सभी सरकारों ने सत्ता की गतिशीलता से इतर कश्मीर में शांति बहाल करने की कोशिश की है।

उन्होंने पाकिस्तान को भारत के साथ शांति नहीं रखने के लिए दोषी ठहराया। हालांकि, उन्होंने घाटी के स्थानीय लोगों का सम्मान करने और पाकिस्तान के एजेंडे में उसकी सहायता न करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा ऐसी घटनाओं में शामिल होने से बार-बार इनकार करने पर सवाल उठाते हुए कहा, ये आतंकवादी कहां से आए थे? जर्मनी से नहीं। हम उनके साथ सीमा साझा नहीं करते हैं।

महाराष्ट्र दिवस पर मुंबई में आयोजित ग्लोरियस महाराष्ट्र फेस्टिवल 2025 में बोलते हुए अख्तर ने हमले की निंदा की और विभाजनकारी विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व की आलोचना की। अपने तीखे भाषण में उन्होंने कहा, सीमा पर कुछ पटाखे काम नहीं आएंगे। अब एक ठोस कदम उठाएं। कुछ ऐसा करें कि वहां (पाकिस्तान) का पागल सेना प्रमुख, कोई भी समझदार व्यक्ति उनके जैसा भाषण न दे सके।

शांति की दिशा में भारत के प्रयासों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, इस देश में हर सरकार, चाहे वह कांग्रेस हो या भाजपा, ने शांति स्थापित करने की कोशिश की है। यहां तक ??कि अटल बिहारी वाजपेयी जी भी पाकिस्तान गए थे। लेकिन उन्होंने क्या किया? उन्होंने जिस जगह का दौरा किया, उसे धो दिया। क्या इसे ही दोस्ती कहते हैं? अख्तर ने कारगिल युद्ध के बाद पाकिस्तान के व्यवहार की आलोचना की और कश्मीर पर उसके दावों पर सवाल उठाए। हम पाकिस्तान से कैसे बात कर सकते हैं, जब उन्होंने कारगिल युद्ध में अपने सैनिकों के शवों को भी स्वीकार नहीं किया?... आज भी, 99 प्रतिशत कश्मीरी भारत के प्रति वफ़ादार हैं।

उन्होंने मसूरी में हाल ही में हुई एक घटना पर भी प्रतिक्रिया दी, जहां कश्मीरी शॉल विक्रेताओं पर स्थानीय लोगों ने हमला किया था, जिसके कारण 16 विक्रेता हिल स्टेशन छोड़कर भाग गए थे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, जो लोग मसूरी या भारत के किसी अन्य हिस्से में कश्मीरियों को परेशान करते हैं, आप केवल पाकिस्तान के दुष्प्रचार को ही मान्यता और पुष्टि दे रहे हैं।

ठोस कदम उठाने का आह्वान करते हुए अख्तर ने कहा, मुझे उम्मीद है कि सरकार कुछ सख्त और निश्चित कार्रवाई करेगी। पाकिस्तानी प्रतिष्ठान को यह स्पष्ट रूप से बता दिया जाना चाहिए कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनके सेना प्रमुख पागल हैं, उन्हें कोई समझ नहीं है। और हमें पहलगाम हमले को नहीं भूलना चाहिए। उनकी नज़र मुंबई पर भी है।

मस्जिद को खोदेंगे तो मंदिर मिलेगा, मंदिर को खोदेंगे तो, इस मशहूर अभिनेता ने केंद्र सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता प्रकाश राज ने हाल ही में एक इंटरव्यू में सरकारी नीतियों, धार्मिक विवादों और लोकतंत्र में सवाल पूछने के अधिकार को लेकर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने साफ कहा कि वह किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि समाज में बढ़ रही असमानता और नफरत के खिलाफ अपनी आवाज उठा रहे हैं।

सवाल पूछना मेरा अधिकार है - प्रकाश राज

प्रकाश राज का कहना है कि वह सरकार से सवाल पूछना अपना लोकतांत्रिक अधिकार मानते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के नागरिक को यह हक है कि वह सत्ता से जवाब मांगे और गलत नीतियों का विरोध करे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि आलोचना करना किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है।

धार्मिक मुद्दों पर उठाए सवाल

धार्मिक स्थलों को लेकर चल रहे विवादों पर प्रकाश राज ने अपनी बात रखते हुए कहा- अगर आप किसी मस्जिद को खोदेंगे तो मंदिर मिलेगा, मंदिर को खोदेंगे तो बुद्ध मिल सकते हैं। आखिर कहां तक खोदते रहेंगे? उन्होंने आगे कहा कि इतिहास को बार-बार कुरेदने से समाज बंटता है, जबकि असली ज़रूरत है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार जैसे ज़रूरी मुद्दों पर बात करें।

नेहरू, टीपू और औरंगज़ेब पर भी बोले प्रकाश राज

प्रकाश राज ने कुछ ऐतिहासिक हस्तियों पर बार-बार होने वाली चर्चाओं पर चुटकी लेते हुए कहा- नेहरू जब मरे, मैं पैदा भी नहीं हुआ था। औरंगज़ेब से मेरा क्या लेना देना? टीपू सुल्तान से मेरा क्या लेना देना? आज के सवालों का जवाब चाहिए, इतिहास में खोदने से क्या मिलेगा?

सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल

उन्होंने साफ किया कि वह किसी भी पार्टी या सरकार के विरोधी नहीं हैं, लेकिन अगर कोई नीति लोगों को बांटने का काम करती है, तो उस पर सवाल उठाना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि मंदिर-मस्जिद की राजनीति से देश को कोई लाभ नहीं होने वाला, बल्कि इससे समाज में नफरत बढ़ती है।

युवाओं से की सोचने की अपील

प्रकाश राज ने कहा कि एक कलाकार होने के नाते उनकी जिम्मेदारी है कि वे समाज को आईना दिखाएं और सोचने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने युवाओं से अपील की कि किसी भी मुद्दे पर आंख मूंदकर विश्वास न करें, बल्कि तथ्यों को समझें और सोच-समझकर निर्णय लें।

देशवासियों को दिया एकता का संदेश

अंत में, उन्होंने देशवासियों से कहा कि धर्म, जाति और भाषा के नाम पर बंटने के बजाय हमें एकजुट होकर देश की तरक्की के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने सरकार से भी आग्रह किया कि वो ऐसी नीतियां बनाए, जो समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलें। प्रकाश राज के इन बयानों ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। कुछ लोग उनके विचारों का समर्थन कर रहे हैं, तो कुछ आलोचना कर रहे हैं। लेकिन एक बात तो साफ है- उन्होंने सवाल पूछकर लोकतंत्र की जड़ें हिलाने की नहीं, बल्कि मजबूत करने की कोशिश की है।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति भवन में अंगोला गणराज्य के राष्ट्रपति लौरेंको का किया स्वागत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी दिया फिल्म देखने का सुझाव

फुले को ट्रैक्स फ्री करने की अपील

मुंबई (एजेंसी)।

ज्योतिराव फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले पर आधारित फिल्म फुले रिलीज से पहले ही काफी चर्चा में आ गई थी और रिलीज के बाद भी ये खूब हैडलाइन्स में बनी हुई है। फिल्म 25 अप्रैल को पर्दे पर रिलीज हुई है, जिसे दर्शकों की काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।इसी बीच हाल ही में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास अठावले 'फुले' की स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया और फिल्म की सराहना करते हुए उन्होंने मांग की कि इसे पूरे भारत में टैक्स-फ्री घोषित किया जाए।

रामदास अठावले ने फिल्म को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा, यह फिल्म समाज के हर वर्ग, विशेष रूप से विधायकों, शिक्षकों और नीति-निर्माताओं को अवश्य देखनी चाहिए। इससे उन्हें भारत की सामाजिक असमानताओं और सुधार आंदोलनों के इतिहास को समझने में मदद मिलेगी।

उन्होंने आगे कहा कि देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी यह फिल्म देखनी चाहिए, क्योंकि यह भारत के वंचित समुदायों की आवाज को मजबूती से सामने लाती है।

क्यो हुआ था फिल्म पर विवाद

दरअसल, फुले पर ब्राह्मण समुदाय के कुछ संगठनों ने आरोप लगाया था कि इसमें ब्राह्मणों को नकारात्मक रूप में दर्शाया गया है। इस पर सेंसर बोर्ड ने निर्माताओं से कई जातिगत शब्दों और दृश्यों को हटाने का निर्देश दिया था। बाद में इसमें महार, मांग, पेशवाई, और मनु की जाति व्यवस्था जैसे शब्दों को हटाया गया। इसके कारण फिल्म की रिलीज को 11 अप्रैल से 25 अप्रैल तक स्थगित भी करना पड़ा था।

बता दें, फिल्म का निर्देशन अनंत महादेवन ने किया है। फिल्म में ज्योतिराव फुले के किरादर में प्रतीक गांधी और सावित्रीबाई फुले की भूमिका पत्रलेखा ने निभाई है।

बालको ने टाको के साथ पशु कल्याण कार्यक्रमों के तीन वर्ष किए पूरे : 5,000 से अधिक पशुओं को लाभ पहुंचा

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत की आईकॉनिक एल्यूमिनियम उत्पादक और वेदांता एल्यूमिनियम की इकाई भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) करुणा, देखभाल और सह-अस्तित्व की संस्कृति को बढ़ावा देकर पशु कल्याण हेतु अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रही है। अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की पहल द एनिमल केयर ऑर्गनाइजेशन (टाको) ने अपनी सेवा के तीन वर्ष पूरे कर लिए हैं।

मानव, पशु और पर्यावरण कल्याण के परस्पर संबंध पर जोर देने वाले 'वन हैल्थ' विजन में निहित, टाको एक राष्ट्रीय आंदोलन बन गया है, जो आश्रय, अस्पताल, अकादमी, वन्यजीव संरक्षण, आपदा राहत और क्षेत्र विकास के अपने छह स्तंभों के माध्यम से देखभाल को बढ़ावा देता है। इस मिशन में एक ऑन-ग्राउंड पार्टनर के रूप में बालको ने इस विजन को कोरबा, छत्तीसगढ़ में यथार्थ प्रभाव में बदलने में मदद की है।

पिछले तीन वर्षों में, पशु कल्याण में बालको की ढांचागत कोशिशों ने 5,000 से अधिक पशुओं पर सकारात्मक असर डाला है, जो इस उद्देश्य के लिए बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पशु कल्याण

के लिए उठाए गए कदम जैसे कि जिला पशु चिकित्सा विभाग के साथ साझेदारी में 3,000 से अधिक रिफ्लेक्टिव कॉलर का वितरण सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में मदद करता है। इन्हें चार पशु चिकित्सा स्वास्थ्य शिविरों द्वारा मुमकिन बनाया गया, जिससे 2,500 से अधिक मवेशियों को लाभ हुआ, जिसमें कृमिनाशक, घाव की देखभाल और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं, जिससे स्थानीय किसानों को प्रत्यक्ष मदद मिली जो अपनी आजीविका के लिए पशुधन पर निर्भर हैं।

इन प्रयासों के आधार पर बालको ने लक्षित स्वास्थ्य पहल के माध्यम से आवारा कुत्तों के कल्याण के लिए भी काम किया है। टाको के सहयोग से, रेबीज जैसी जूनोटिक बीमारियों को रोकने के उद्देश्य से अभियान के तहत 300 से अधिक कुत्तों को टीका लगाया गया। इसके अलावा, अत्यधिक गर्मी की चुनौतियों को समझते हुए आवारा पशुओं के लिए वाटर बाउल चैलेंज शुरू किया गया, जिसमें अधिक भीड़-भाड़ वाले इलाकों में हाइड्रेशन बाउल रखे गए और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया। कर्मचारियों और स्थानीय स्वयंसेवकों ने नियमित रूप से भोजन और पानी के कटोरे रखकर इस पहल का सक्रिय समर्थन किया। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन और वेदांता लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक, टाको की संस्थापक सुश्री प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में टाको की यात्रा व्यक्तिगत और उद्देश्यपूर्ण रही है। इसके मूल में एक सरल लेकिन शक्तिशाली विश्वास है: जानवरों को भी इंसानों की तरह ही सम्मान, देखभाल और सुरक्षा मिलनी चाहिए। एक विजन के रूप में शुरू हुआ यह अभियान यह एक ऐसे करुणामय समुदाय में विकसित हुआ है, जिसमें आश्रय, अस्पताल, शिक्षा कार्यक्रम और आपातकालीन सेवाएं शामिल हैं। यह देखना अविश्वसनीय रूप से उत्साहजनक है कि कैसे इस मिशन ने गर्मी की तपिश के दौरान पानी के कटोरे रखने से लेकर आवारा जानवरों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने तक, हर रोज़ दयालुता के कार्यों को बढ़ावा दिया है। कर्मचारी स्वयंसेवक रामसहाय पटेल ने बताया कि आवारा कुत्तों के लिए पानी का कटोरा रखना या बछड़े को सुरक्षित सड़क पार कराने में मदद करना जैसे छोटे-मोटे काम भी बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। इस पहल का हिस्सा बनने से मैं और अधिक जागरूक हो गया हूं। ऐसे कई तरीके हैं जिनके ज़रिए बालको अपने सभी कर्मचारियों और बिज़नेस पार्टनरों के भीतर देखभाल की संस्कृति विकसित करने की कोशिश करती है। अप्रैल 2022 में शुरू किया गया द एनिमल केयर ऑर्गनाइजेशन (टाको) वेदांता लिमिटेड की प्रमुख पशु कल्याण पहल है, जिसका उद्देश्य आवारा और सामुदायिक पशुओं के लिए ईकोसिस्टम को मजबूत करना है। यह पशुओं और पालतू जानवरों के लिए बचाव, पुनर्वास, निवारक देखभाल, वृद्धावस्था सहायता और मुफ्त ओपीडी सुविधाओं सहित व्यापक सेवाएं प्रदान करता है। टाको डायग्नोस्टिक, आपातकालीन प्रतिक्रिया, बंध्यकरण और उन्नत उपचार के लिए सुसज्जित एक सुपर स्पेशियलिटी पशु चिकित्सा अस्पताल भी संचालित करता है। बालको सहित वेदांता लिमिटेड की सभी व्यावसायिक इकाइयां टाको के समग्र पशु देखभाल के मिशन को आगे बढ़ाने में सक्रिय रूप से योगदान देती हैं।

जागरूकता और सहानुभूति से आ सकता है सार्थक बदलाव

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको में हम मानते हैं कि जागरूकता और सहानुभूति से सार्थक बदलाव आ सकता है। मवेशियों पर रिफ्लेक्टिव कॉलर लगाने से लेकर गर्मियों के दौरान पानी के कटोरे रखने को प्रोत्साहित करने तक, ये छोटे-छोटे प्रयास प्रतिदिन कई जानवरों की जान बचा रहे हैं और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। टाको के साथ हमारे सहयोग ने कर्मचारियों और समुदायों को देखभाल, करुणा और सह-अस्तित्व की संस्कृति के निर्माण में भाग लेने हेतु सशक्त किया है।

बालको में अग्नि सुरक्षा सप्ताह : कर्मचारियों और समुदाय को किया जागरूक

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने 'यूनाइट टू इग्नाइट- ए फायर सेफ इंडिया' थीम के तहत जागरूकता अभियान के साथ राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया। इसका उद्देश्य बालको के प्रचालन क्षेत्रों और आसपास के समुदाय में अग्नि सुरक्षा जागरूकता, आपातकालीन प्रतिक्रिया और सक्रिय घटनाओं को कम करने पर ध्यान केंद्रित करना था। इसमें कर्मचारियों, स्कूली छात्रों और समुदाय के सदस्यों सहित 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

14 अप्रैल से आरंभ हुए साप्ताहिक आयोजन में अग्नि सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए क्विज़, ड्राइंग और स्लोगन जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाई गई। साथ ही बालको ने समुदाय में 'सुरक्षा-प्रथम' संस्कृति विकसित करने के लिए अग्नि सुरक्षा प्रदर्शनियों, नुक्कड़ नाटक और सुरक्षा प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए।

संयंत्र में अग्नि सुरक्षा उपायों को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न विभागों की टीमों और व्यक्तियों को सम्मानित करते हुए अभियान का समापन किया गया। इस अवसर पर कोरबा के अन्य उद्योगों, जैसे कि एनटीपीसी लिमिटेड (नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन) और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के प्रतिनिधियों की सहभागिता भी देखने को मिली, जो क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति सहयोगात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि अग्नि सुरक्षा हमारे प्रचालन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। बालको में हम निरंतर जागरूकता, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहे हैं, जिससे हम अपने शून्य हानि दृष्टिकोण को साकार कर सकें। हमारी प्राथमिकता तैयारी, जवाबदेही और

एकीकृत प्रतिक्रिया प्रणाली पर केंद्रित है, जो हमारे लोगों की भलाई और संचालन की स्थिरता सुनिश्चित करती है। आईओसीएल के प्रचालन प्रबंधक पैगम्बर सिंह ने बालको की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि आपातकालीन तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं को सुदृढ़ करने में बालको की प्रतिबद्धता प्रशंसनीय है। प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे और सहयोग में उनके निरंतर निवेश ने आग से संबंधित आपात स्थितियों के प्रबंधन के लिए क्षेत्र की तत्परता को काफी हद तक बढ़ाया है।

बालको की अग्नि एवं सुरक्षा टीम समय पर कार्रवाई और सतत प्रशिक्षण के माध्यम से जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है। पिछले वित्तीय वर्ष में विभाग ने 290 से अधिक आपातकालीन घटनाओं का सफलतापूर्वक समाधान किया तथा 5000 से अधिक व्यक्तियों को अग्निशामक यंत्रों के प्रयोग, सीपीआर अभ्यास और आपात प्रबंधन तकनीकों पर प्रशिक्षण प्रदान किया।

आग लगने की संभावित घटनाओं के लिए तत्परता सुनिश्चित करने हेतु संयंत्र और आसपास के क्षेत्रों में 70 से अधिक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, बालको अस्पताल में स्प्रिंकलर सिस्टम की स्थापना एवं उन्नत अग्नि अलार्म प्रणाली का प्रचालन क्षेत्रों में उपयोग करके अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे को सशक्त किया गया।

बालको के अग्निशमन विभाग को उसके उत्कृष्ट योगदान हेतु ग्रो केयर इंडिया फाउंडेशन द्वारा मेटल एवं पावर डिवीजन में प्लैटिनम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया तैयारियों में विभाग की उत्कृष्टता को मान्यता प्रदान करता है।

सुशासन तिहार : सरकारी योजनाओं की स्वीकारोक्ति और लोकप्रियता पर जनता की मोहर

विशेष लेख:जितेन्द्र नागेश (संयुक्त संचालक)

छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा अनुसार संवाद से समाधान तक सुशासन तिहार अभियान शुरू किया है। तीन चरणों में चलने वाले इस अभियान के पहले चरण में प्रदेश की जनता से उनकी समस्याओं, जरूरतों, शिकायतों से जुड़े आवेदन समाधान पेटियां लगाकर लिए गए हैं। दूसरे चरण में इन सभी आवेदनों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया गया है और अब तीसरे चरण में आवेदनों पर की गई कार्रवाई की जानकारी भी आवेदनकर्ताओं को दी जा रही है। इस पूरे तिहार का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण के साथ-साथ सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद कायम करना भी है। धमतरी जिला छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक आवेदन प्राप्त होने वाले पहले पांच जिलों में शामिल है।

बड़ी संख्या में आवेदनों के कारण सरकार के इस सुशासन तिहार के कुछ अलग मायने भी विश्लेषित हो रहे हैं। धमतरी जिले में इस अभियान के तहत सवा दो लाख से अधिक आवेदन मिले हैं। धमतरी जिले में कुल दो लाख 27 हजार 931 आवेदन मिले हैं, जिसमें से केवल चार हजार 601 आवेदन विभिन्न शिकायतों से संबंधित हैं और लगभग 98 प्रतिशत आवेदन सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने की मांग वाले हैं। कई वरिष्ठ पत्रकारों, सेवानिवृत्त प्रशासकीय अधिकारियों ने भी बताया है कि इतनी बड़ी संख्या में जनता से सरकार के लिए आवेदन पहले कभी नहीं मिले हैं। छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती सरकारें भी जनता तक पहुंचने के लिए लोक सम्पर्क अभियान, ग्राम सुराज अभियान, भेंट-मुलाकात कार्यक्रम जैसे कई तरीके अपना चुकीं हैं। इन अभियानों के दौरान भी जिले में इतने आवेदन नहीं मिले थे। जिला प्रशासन ने इन सभी मिले आवेदनों में से आज तक लगभग 98 प्रतिशत आवेदनों का निराकरण कर लिया है। अब तक चार हजार 138 शिकायतों और दो लाख 18 हजार 673 मांगों वाले आवेदनों को मिलाकर धमतरी जिले में दो लाख 22 हजार 811 आवेदन निराकृत किए जा चुके हैं। आमतौर पर ज्यादा आवेदनों का मिलना सरकार के कामकाज के प्रति लोगों के असंतोष को दर्शाता है। परन्तु चालू सुशासन तिहार के दौरान धमतरी जिले में मिले दो लाख 27 हजार आवेदनों में से 98 प्रतिशत आवेदन सरकारी योजनाओं से लाभ दिलाने के लिए हैं। धमतरी जिले के निवासियों ने सवा दो लाख आवेदनों में से केवल साढ़े 4 हजार के करीब आवेदनों में अपनी शिकायतें सरकार तक पहुंचाई हैं। निश्चित ही नागरिकों की शिकायतों पर कार्रवाई करना राज्य सरकार का काम है और निर्धारित नियमों- प्रक्रियाओं का पालन करते हुए विष्णु देव सरकार इन सब पर यथोचित कार्रवाई भी करेगी।

विश्लेषण- करीब सवा दो लाख आवेदनों में से 98 प्रतिशत मांग संबंधी आवेदनों पर टिका है। लोगों ने बड़ी संख्या में महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति, आंगनबाड़ी की मंजूरी, दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने, राशन कार्ड बनाने, आयुष्मान कार्ड बनाने, कृषि यंत्रों की मांग, मातृ वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना, श्रम कार्ड बनाने, बकरी पालन, मुर्गी पालन, सुअर पालन, मछली पालन के लिए लोन दिलाने से लेकर लघु उद्यम स्थापित करने के लिए सुविधाएं और सहायता देने जैसी मांगों से जुड़े आवेदन सरकार को दिए हैं। शिकायत संबंधी आवेदनों की संख्या तुलनात्मक तौर से नगण्य हैं और सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने की मांग के 98 प्रतिशत आवेदन सरकार के कामकाज की कुछ अलग ही कहानी बयां कर रहे हैं। जिस तरह से पदभार संभालते ही विष्णु देव सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों को पूरा करने का काम किया, उससे प्रदेश की जनता में शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास तो बढ़ा ही है, अब ग्राम पंचायत, गांव स्तर तक विकास की आशा भी पूरी हो रही है। बड़ी संख्या में सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने वाले आवेदन इस बात का भी प्रमाण है कि विष्णु देव सरकार की सरकारी योजनाएं सही मायने में जनहितकारी हैं। आमजन इन योजनाओं को स्वीकार कर रहे हैं। योजनाएं तेजी से प्रदेशवासियों के बीच लोकप्रिय हो रहीं हैं।

सुशासन तिहार में मिले आवेदनों से सरकार पर भी एक नए किस्म का प्रभाव दिखेगा। लोगों को सीधे लाभ पहुंचाने वाली, किसानों, गरीबों, श्रमिकों को आगे लाने वाली, महिलाओं-बुजुर्गों-युवाओं को रोजगार और सामाजिक न्याय से जोड़ने वाली और अच्छी तथा ज्यादा योजनाएं संचालित करने का संदेश सरकार को इस सुशासन तिहार ने दिया है। अब इन मिले आवेदनों का विश्लेषण शासन स्तर पर होगा। गांव से लेकर शहर तक सर्वांगीण विकास की योजनाएं बनेंगी। सामाजिक सुरक्षा से लेकर आर्थिक विकास तक स्वास्थ्य से लेकर पढ़ाई तक हर क्षेत्र में इन आवेदनों में मिली मांगों का प्रभाव परिलक्षित होगा। मुख्यमंत्री स्वयं ही तीसरे चरण में गांव-गांव पहुंचकर लोगों से संवाद करेंगे। उनके फायदे के लिए बनने वाली योजनाओं के बारे में जानेंगे। उनकी तकलीफों और परेशानियों का यथासंभव मौके पर निराकरण भी होगा। मुख्यमंत्री वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में जिलों में बैठक लेकर इस सुशासन तिहार में मिले आवेदनों को आधार बनाकर विकास की नई योजनाओं की शुरूआत भी कर सकते हैं।

केवल डेढ़ साल में ही विष्णु देव सरकार ने गांव-गरीब-किसान-युवा-आदिवासी-महिला-बच्चों- बुजुर्गों सहित समाज के हर वर्ग को फायदा पहुंचाने वाली योजनाएं चलाकर मोदी की लगभग 90 प्रतिशत गारंटियां पूरी कर ली हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार का जीरो टॉलरेंस, सूचना प्रौद्योगिकी, सेमी कंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में राज्य में रोजगार के मौके बनाने वाले फैसलों ने युवाओं को भी सरकार के समर्थन में खड़ा कर दिया है। छत्तीसगढ़ वासियों के मन में इस बात का विश्वास जगा है कि इस सरकार में योजनाएं और घोषणाएं कागजों तक सीमित नहीं होंगी, बल्कि जमीनी स्तर पर लागू होंगी, अधिक से अधिक लोगों को फायदा पहुंचाएंगी। विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में अपना भरपूर योगदान देंगी। सबके विश्वास और साथ से सबके विकास की धारणा ऐसे प्रयासों से ही फलीभूत होगी।

युद्ध हुआ तो मिटेगा पाकिस्तान, वायुसेना की शक्ति देख उड़ जाएगी दुश्मनों की नींद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए सिंधु जल समझौता और पाकिस्तान को दिए जाने वाले वीजा सुविधा को अस्थायी रूप से रद्द कर दिया है। इसके जवाब में पाकिस्तान की ओर से राजनीतिक और सैन्य स्तर पर तीखी बयानबाजी की जा रही है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री हनीफ अब्बासी ने भारत को खुलेआम परमाणु हमले की धमकी देते हुए कहा कि हमारे पास गौरी, अब्दाली और गजनवी जैसी मिसाइलें हैं, और 130 परमाणु हथियार हैं, जिनका रुख हिंदुस्तान की ओर है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने भी भारत को चेतावनी दी है कि यदि कोई एकतरफा कार्रवाई हुई तो उसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इन तीखी टिप्पणियों के चलते सीमा पार तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है और ऐसी आशंका जताई जा रही है कि भारत आने वाले दिनों में पाकिस्तान के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई कर सकता है।

भारत बनाम पाकिस्तान- वायुसेना की शक्ति में कौन भारी ?

इस बढ़ते तनाव के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि सैन्य संघर्ष की नौबत आती है, तो दोनों देशों की वायुसेनाएं किस स्तर पर एक-दूसरे का सामना कर सकती हैं।

भारतीय वायुसेना की ताकत- राफेल से मिली नई धार

भारतीय वायुसेना के बेड़े में हाल ही में शामिल हुआ फ्रांसीसी राफेल फाइटर जेट पाकिस्तान के किसी भी फाइटर जेट से तकनीकी और सामरिक दृष्टि से कहीं अधिक उन्नत है। राफेल एक ट्विन इंजन, 4.5वीं पीढ़ी का मल्टी-रोल फाइटर जेट है, जिसे डसॉल्ट एविएशन द्वारा विकसित किया गया है।

राफेल की तकनीकी क्षमताएं-

अधिकतम गति- 2,200 किमी/घंटा

अधिकतम उड़ान अवधि- 10 घंटे (एक बार ईंधन भरने पर)

ऊंचाई पर पहुंचने की क्षमता- 1 मिनट में 18,000 फीट

भार क्षमता- 24,500 किलोग्राम

रडार की क्षमता- 100 किमी के दायरे में 40 टारगेट की पहचान

गन फायरिंग- 1 मिनट में 2500+ राउंड

राफेल में तीन प्रमुख मिसाइल सिस्टम तैनात किए जा सकते हैं

मीटियोर मिसाइल - हवा से हवा में 150+ किमी रेंज

स्कैल्प मिसाइल - हवा से जमीन पर 300+ किमी रेंज

हैमर मिसाइल - बंकर बस्टिंग क्षमता के साथ

राफेल की सबसे बड़ी ताकत इसकी लो-ऑब्जर्वेबिलिटी (कम रडार डिटेक्शन), इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम और अत्यधिक लंबी दूरी की मारक क्षमता है, जो उसे युद्ध के किसी भी मोर्चे पर बढ़त दिलाती है।

भारत की संपूर्ण सैन्य वायु शक्ति

भारत के पास केवल राफेल ही नहीं, बल्कि सुखोई-30 MKI, मिग-29, तेजस, और S-400 एयर डिफेंस सिस्टम जैसे शक्तिशाली हथियार भी हैं। वहीं पाकिस्तान के पास F-16 के अलावा अधिकांश फाइटर जेट जैसे JF-17, Mirage-III/V, और F-7, जो चीन द्वारा निर्मित हैं और तकनीकी रूप से पुराने हो चुके हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की एयरफोर्स न केवल संख्या में बल्कि तकनीकी रूप से भी पाकिस्तान से कहीं अधिक मजबूत और रणनीतिक रूप से सक्षम है।

पाकिस्तान एयरफोर्स की ताकत: F-16 पर निर्भरता

पाकिस्तान के पास अमेरिका निर्मित स्त्र-16 लड़ाकू विमान हैं, जिन्हें उसकी वायुसेना की रीढ़ माना जाता है। यह एक सिंगल इंजन मल्टी-रोल फाइटर जेट है जिसे अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने बनाया है। F-16 की पहली उड़ान दिसंबर 1976 में हुई थी और वर्तमान में यह 25 से अधिक देशों की वायुसेना में सेवा दे रहा है।

F-16 की तकनीकी विशेषताएं-

लंबाई-15 मीटर

चौड़ाई- 9.45 मीटर

ऊंचाई- 5 मीटर

अधिकतम उड़ान ऊंचाई- 15,235 मीटर

अधिकतम भार क्षमता- 21.7 टन

उड़ान रेंज-4,200 किमी

अधिकतम गति- 2,145 किमी/घंटा

रडार की क्षमता- 84 किमी के दायरे में 20 टारगेट की पहचान

मिसाइल रेंज- अधिकतम 100 किमी

F-16 की गिनती भरोसेमंद फाइटर जेट्स में होती है, लेकिन इसकी मिसाइल रेंज और रडार क्षमताएं सीमित हैं।

उज्जैन के महाकाल मंदिर की छत पर लगी भीषण आग

उज्जैन (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित बाबा महाकालेश्वर मंदिर से सोमवार को एक बड़ी खबर सामने आई। मंदिर के गेट नंबर-1 के पास बने फैसिलिटी सेंटर के ऊपर अचानक आग भड़क उठी। यह घटना दोपहर करीब 12 बजे हुई, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां, पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू कर दिया गया।

फैसिलिटी सेंटर की छत पर भड़की आग

मिली जानकारी के अनुसार, मंदिर परिसर के नजदीक बने फैसिलिटी सेंटर की छत पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का कंट्रोल रूम है। वहीं अचानक आग लग गई।

बताया जा रहा है कि पहले वहां से धुआं उठता देखा गया और फिर कुछ ही देर में आग की लपटें आसमान तक पहुंच गईं। आग तेजी से फैलने लगी, जिससे वहां मौजूद श्रद्धालुओं और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। आग लगने की खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने के लिए टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

वहीं, पुलिस ने श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों की ओर हटाया ताकि किसी को कोई नुकसान न हो। खबर लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका था, लेकिन स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

कलेक्टर और एसपी ने संभाली कमान

घटना की गंभीरता को देखते हुए उज्जैन के कलेक्टर और एसपी भी मौके पर पहुंच गए। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने राहत और बचाव कार्यों की निगरानी की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आग पर जल्द काबू पाया जाएगा और स्थिति को सामान्य किया जाएगा।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग

शुरुआती जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही आग लगने के असली कारणों की पुष्टि की जा सकेगी। पुलिस और तकनीकी टीम ने जांच शुरू कर दी है। सबसे राहत की बात यह रही कि इस आगजनी की घटना में किसी भी श्रद्धालु या कर्मचारी के हताहत होने की खबर नहीं है। समय रहते हुए लोगों को बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मंदिर प्रबंधन और पुलिस ने सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती है।

हर दिन लाखों श्रद्धालु आते हैं महाकाल के दर्शन

बता दें कि उज्जैन के बाबा महाकाल मंदिर में हर दिन देशभर से हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सोमवार और श्रावण के महीने में यहां विशेष भीड़ रहती है। ऐसे में आगजनी की यह घटना बेहद संवेदनशील मानी जा रही है। प्रदूषण बोर्ड के कंट्रोल रूम में कई जरूरी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दस्तावेज रखे गए थे। आग की चपेट में इनमें से कुछ के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल नुकसान के आकलन का काम किया जा रहा है।

प्रशासन की अपील - घबराएं नहीं, सब सुरक्षित

प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे घबराएं नहीं। मंदिर पूरी तरह सुरक्षित है और दर्शन व्यवस्था सुचारु रूप से जारी है। आग को नियंत्रित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत ने पहली बार जारी की जीन-संपादित धान की दो किस्में, 30 प्रतिशत तक अधिक उपज संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने रविवार को दो नई जीन-संपादित धान की किस्में — 'कमला (DRR धन-100)' और 'पुसा डीएसटी राइस 1' — जारी की हैं। यह विश्व में पहली बार है जब ऐसी किस्में सार्वजनिक रूप से पेश की गई हैं। इनसे प्रति हेक्टेयर उत्पादन में 30 प्रतिशततक वृद्धि संभव है, साथ ही ये मौजूदा किस्मों की तुलना में 15-20 दिन कम समय में पक जाएंगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि ये किस्में कम पानी में भी उगाई जा सकती हैं और पर्यावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करेंगी। ICAR के वैज्ञानिकों ने 2018 में शुरू हुए शोध के तहत 'सांबा मसूरी' और 'MT1010' जैसी प्रचलित किस्मों को जीन-संपादन तकनीक से सुधार कर ये नई किस्में तैयार कीं। 'कमला' ने फील्ड ट्रायल में 5.37 टन प्रति हेक्टेयर उत्पादन दिया, जो 'सांबा मसूरी' की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है।

भारत-पाक तनाव पर सुरक्षा परिषद अलर्ट, संयुक्त राष्ट्र ने बंद कमरे में बुलाई बैठक

न्यूयार्क (एजेंसी)।

भारत और पाकिस्तान के बीच हालात को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सोमवार को बंद कमरे में एक बैठक होगी। पाकिस्तान ने इस मुद्दे पर आपात बैठक की मांग की है। पाकिस्तान वर्तमान में 15 देशों की सदस्यता वाली शक्तिशाली सुरक्षा परिषद का एक अस्थायी सदस्य है। सुरक्षा परिषद की मई महीने के लिए अध्यक्षता यूनान कर रहा है। पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच तनाव पर ''बंद कमरे में परामर्श का अनुरोध किया था और सुरक्षा परिषद के वर्तमान अध्यक्ष यूनान ने पांच मई को दोपहर में बैठक निर्धारित की है।

सुरक्षा परिषद के पांच वीटो-धारक स्थायी सदस्यों - चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका के अलावा परिषद में 10 अस्थायी सदस्य अल्जीरिया, डेनमार्क, यूना, गुयाना, पाकिस्तान, पनामा, दक्षिण कोरिया, सिएरा लियोन, स्लोवेनिया और सोमालिया हैं। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद परमाणु हथियार संपन्न दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों भारत एवं पाकिस्तान के मध्य तनाव बढ़ने के बीच मई महीने के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष यूनान के राजदूत एवं संयुक्त राष्ट्र में देश के स्थायी प्रतिनिधि इवेंजेलोस सेकेरिस ने पिछले सप्ताह कहा था कि अगर भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति पर चर्चा करने के लिए बैठक का अनुरोध आता है, तो बेशक... ''मुझे लगता है कि यह बैठक होनी चाहिए क्योंकि जैसा कि हमने कहा कि संभवत: यह विचार व्यक्त करने का एक अवसर भी है और इससे तनाव कम करने में कुछ मदद मिल सकती है। हम इस पर विचार करेंगे।

उन्होंने कहा, ''हम (भारत और पाकिस्तान के साथ) निकट संपर्क में हैं... लेकिन यह कुछ ऐसा है जो हो सकता है, मैं कहूंगा, जल्द होगा। हम विचार करेंगे, हम तैयारी कर रहे हैं। यह मेरे (यूएनएससी) अध्यक्ष पद का पहला दिन है। पाकिस्तान से उत्पन्न सीमा पार आतंकवाद से भारत के पीड़ित होने के बारे में 'पीटीआई-भाषा द्वारा पूछे गए पूछे गए एक सवाल के जवाब में सेकेरिस ने कहा, ''यह एक ऐसा मुद्दा है जो बहुत ही प्रासंगिक है। जैसा कि मैंने पहले कहा कि हम आतंकवाद के किसी भी कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं और यही हमने पहलगाम में हुए ''जघन्य आतंकवादी हमले पर किया है जिसमें निर्दोष लोग मारे गए। भारत वर्तमान में सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। सेकेरिस ने कहा कि ''हम भारत सरकार, नेपाल और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। । जयशंकर ने सुरक्षा परिषद के सदस्यों के साथ फोन पर हुई बातचीत में इस बात पर जोर दिया कि ''हमले के अपराधियों, समर्थकों और साजिश रचने वालों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। जयशंकर ने यूनान के विदेश मंत्री जॉर्ज गेरापेट्राइटिस के साथ ''सार्थक बातचीत की और ''पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा की।

जयशंकर ने कहा था, ''भारत सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ यूनान के दृढ़ विरोध का स्वागत करता है और ''हमारी रणनीतिक साझेदारी हमारे संबंधों की गहराई को दर्शाती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी, फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बरोट, दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ताए-युल, डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके राममुसेन, सिएरा लियोन गणराज्य के विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री टिमोथी मूसा काबा, अल्जीरिया के विदेश मंत्री अहमद अताफ से बात की। जयशंकर ने गुयाना के विदेश मंत्री ह्यूग हिल्टन टॉड, स्लोवेनिया की विदेश मंत्री तंजा फाजोन, सोमालिया के विदेश मंत्री अब्दिसलाम आब्दी अली और पनामा के विदेश मंत्री जेवियर मार्टिनेज-आचा वास्क्वेज से भी बात की।

सुशासन तिहार : कोरबा के पाली ब्लॉक के मदनपुर ग्राम में उतरा मुख्यमंत्री का उड़नखटोला

हम आपके सेवक हैं और आप अपनी समस्याओं को हमें जरूर बताएं-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश) ।

सुशासन तिहार के अंतर्गत आज तीसरे चरण का आगाज हो गया। कोरबा जिले में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने समाधान शिविर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर ग्रामीणों में खुशियों का माहौल बना दिया। चिलचिलाती धूप की परवाह किए बगैर मुख्यमंत्री श्री साय ने समाधान शिविर में जहाँ ग्रामीणों से संवाद किया वहीं मुख्यमंत्री ने समाधान पेटी में डाले गए आवेदनों की निराकरण की स्थिति भी जानी। उन्होंने सुशासन तिहार की सार्थकता को बताते हुए ग्रामीणों से उनके गाँव और गाँव की समस्या के बारे में जानकारी ली और कहा कि आज सुशासन तिहार के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सरकार आपके गाँव में आई है। इसके माध्यम से सरकार योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन की स्थिति भी जान रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी आपके सेवक है और और सुशासन तिहार की इस अवधि में प्रदेश में बिना किसी को बताए किसी भी स्थान पर जाएंगे और वस्तुस्थिति की जानकारी लेंगे। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि आज तीसरे चरण के पहले दिन ऊर्जाधानी कोरबा आना हुआ और आप सभी से मिलना हुआ। मुख्यमंत्री ने सभी को सम्बोधित करते हुए अपील की कि सरकार आपकी सेवा के लिए हैं और जो भी समस्या है उसे चिट्ठी लिखकर जरूर बताएं। सरकार तत्पर है आपकी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। सुशासन तिहार के तीसरे चरण के पहले दिन पाली ब्लॉक के ग्राम मदनपुर समाधान शिविर में मुख्यमंत्री श्री साय शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी के आशीर्वाद से हमारी सरकार बनी और डेढ़ वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवधि में हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत किए गए हर वादे को पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने शपथ लेते ही अगले दिन से प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी। किसानों का वादा पूरा किया। 31 सौ रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी का निर्णय लिया। दो वर्ष बकाया धान बोनस भी दी। 70 लाख से अधिक महिलाओं को महतारी वन्दन योजना की राशि उनके खाते में देकर आर्थिक समृद्धि का द्वार खोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाले हितग्राहियों के हित में निर्णय लेते हुए प्रति मानक बोरा की राशि 4 हजार से 5500 रुपये किया गया। इसके साथ ही रामलला दर्शन योजना प्रारंभ कर 22 हजार हितग्राहियों को दर्शन कराया है। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार ने बड़े-बुजुर्गों की इच्छाओं को पूरा करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री तीर्थ योजना को पुन: प्रारंभ किया है। इस अवसर पर विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम, प्रेमचंद पटेल, मुख्य सचिव अमिताभ जैन,प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, सचिव मुख्यमंत्री पी दयानन्द, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह आदि उपस्थित थे।

शासन की योजनाओं से जीवन में आया बदलाव

समाधान शिविर में पीएम आवास, महतारी वंदन योजना, पीएम सम्मान निधि के किसानों ने योजना का लाभ उठाकर जीवन में आए बदलाव को बयां किया। पीएम आवास की हितग्राही श्रीमती राजनंदिनी डोंगरे ने बताया कि पहले वे मिट्टी के घर में रहते थे। पक्का मकान बनने से बारिश के दिनों में होने वाली चिंताएं अब नहीं रहती। पक्का घर का सपना पूरा हो गया है। महतारी वंदन योजना की हितग्राही श्रीमती रमाबाई पैकरा ने बताया कि उन्हें अब तक 15 किस्त मिला है। इस राशि का उपयोग उन्होंने अपनी दोनों बेटियों के नाम पर सुकन्या समृद्धि योजना में किया है ताकि भविष्य में इस राशि का उपयोग बेटियों की पढ़ाई के लिए हो सके। किसान कन्हैया लाल ने बताया कि उन्होंने सुशासन तिहार में अपनी जमीन को ऑनलाइन करने आवेदन दिया था। आज मालूम हुआ कि उनका रिकार्ड ऑनलाइन हो गया है। इसका प्रमाण पत्र भी मिला है। उन्होंने बताया कि उन्हें पीएम सम्मान निधि अंतर्गत भी राशि मिलती है। किसान ने सुशासन तिहार के आयोजन की सराहना भी की।

ग्रामीणों को बैंक नहीं जाना पड़ेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने 24 अप्रैल से ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र प्रारंभ की है। इस योजना से सभी ग्राम पंचायत जुड़ेंगे और ग्रामीणों को गाँव में ही बैंक जैसी सुविधाएं उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि अटल डिजिटल सेवा केंद्र में किसी भी योजना के हितग्राहियों को राशि निकालने में सुविधा होगी। वही जाति, निवास सहित अन्य दस्तावेज भी मिल पाएंगे। अभी 1460 पंचायत में यह प्रारंभ की गई है। इससे ग्रामीणों को बैंक तक दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

नामांतरण होगा आसान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के साथ कार्यवाही भी कर रही है। डीएमएफ की राशि का दुरुपयोग करने वालों पर भी कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि जमीन की रजिस्ट्री के साथ सरकार ने नामांतरण की प्रक्रिया प्रारंभ की है। इससे कोई अधिकारी नामान्तरण के नाम पर किसी को घुमा नहीं पायेगा। एक घण्टे से कम समय में नामांतरण हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी को पूरा करने वाली यह सरकार सुशासन की दिशा में कार्य कर रही है।

हर पात्र और जरूरतमन्द को मिलेगा पीएम आवास

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि आने वाले दिनों में केंद्रीय पंचायत मंत्री शिवराज सिंह छत्तीसगढ़ आएंगे। इस दौरान लाखों पीएम आवास की स्वीकृति प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सभी गरीबों को पक्का आवास देना चाहते हैं। अब पीएम आवास के लिए नियमों को शिथिल किया गया है। पाँच एकड़ असिंचित और ढाई एकड़ सिंचित भूमि वाले, दोपहिया वाहन वाले, 15 हजार रुपए मासिक आमदनी वाले हितग्राहियों को भी आवास उपलब्ध हो सकेगा। इसके लिए सर्वे भी हुए हैं। उन्होंने कहा कि शिविर में अनेक मांग आई है। उज्ज्वला योजना के लिए भारत सरकार से बातचीत कर इन मांगों को भी पूरा किया जाएगा।

पीएम ने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए बहुत पैसा दिया

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए बहुत पैसा दिया। यह डबल इंजन की सरकार है। पैसों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कोरबा में अनेक बड़े कार्य स्वीकृत होने की बात कहते हुए कोरबा से पेंड्रा,धरमजयगढ़ रेललाइन से क्षेत्र का विकास होने की बात कही। समाधान शिविर में पहुँचे उद्योग, वाणिज्य और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से प्रदेश के कोने-कोने में शिविर का आयोजन कर आवेदन लिए गए। इस बहाने लोगो से न सिर्फ मुलाकात होगी। उनकी समस्याओं का निराकरण भी होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी अचानक से किसी भी जगह जाएंगे। हमें भी मालूम नहीं था कि वे यहाँ आएंगे। यह सौभाग्य है कि सुशासन तिहार के पहले दिन वे कोरबा जिले के मदनपुर आये। इसके लिए मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हमारी सरकार धूप छांव की परवाह नहीं करती। हम सभी जमीन से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि सरकार बनने के कुछ दिनों के भीतर ही मोदी की गारंटी को पूरा किया गया है।

शिकायतों का किया वाचन : कलेक्टर अजीत ने डीएमएफ से मांग पूरी करने की बात कही

कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि जिले में 1 लाख 78 हजार 418 आवेदन प्राप्त हुए। ग्राम मदनपुर के क्लस्टर में कुल 3769 आवेदन आये,जिसमे से 29 शिकायत से सम्बंधित है। सभी आवेदन का निराकरण किया गया है। उन्होंने आवेदन की प्रकृति के विषय में बताते हुए कहा कि विकास कार्यों से सम्बंधित माँग को पूरा करने के लिए डीएमएफ से भी सहयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुशासन तिहार के संबंध में सभी जानकारी प्रदान की गई थी। समाधान शिविर में एसडीएम पाली सुश्री सीमा पात्रे ने शिकायतों का वाचन किया।

पीईटी तथा पीपीएचटी की परीक्षा आठ मई को

कोरबा (दिव्य आकाश) ।

छ.ग. व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित पीईटी तथा पीपीएचटी प्रवेश परीक्षा गुरूवार आठ मई को दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली में पीईटी की परीक्षा प्रात: 9 बजे से अपरांह 12.15 बजे तक एवं द्वितीय पाली में पीपीएचटी की परीक्षा अपरांह 2 बजे से 5.15 बजे तक आयोजित होगी। इसके लिये कोरबा जिले में तीन परीक्षा केंद्र- शा.इं.वि. स्नातकोत्तर महाविद्यालय रजगामार रोड कोरबा, सरस्वती हायर सेकेण्डरी स्कूल सीएसईबी कोरबा (पूर्व) एवं आईटी कालेज झगरहा कोरबा को बनाया गया है। पीईटी प्रवेश परीक्षा में 813 और पीपीएचटी प्रवेश परीक्षा में 1042 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र में दिये गये महत्वपूर्ण निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रजगामार रोड कोरबा को मार्गदर्शन केन्द्र बनाया गया है। जिसका दूरभाष क्रमांक 07759221458 है। कलेक्टर कार्यालय कोरबा के कक्ष क्रमांक 06 वरिष्ठ लिपिक/परीक्षा शाखा में अस्थायी कंट्रोल रूम स्थापित कर कर्मचारियों की ड्यूटी प्रात: 9 बजे से परीक्षा समाप्ति तक लगाई गई है। उक्त परीक्षा के निरीक्षण हेतु उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है और ब्रिफिंग हेतु सात मई को दोपहर 12 बजे शासकीय पीजी कालेज कोरबा में बैठक रखी गई है।

जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी से मिल रही योजनाओं की जानकारी

कोरबा (दिव्य आकाश) ।

सुशासन तिहार अन्तर्गत तृतीय चरण में समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कोरबा जिले में आज पाली ब्लाक के मदनपुर, कोरबा ब्लाक के भैंसमा और पोंड़ी उपरोड़ा ब्लाक के पसान में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर स्थल पर जनसंपर्क विभाग द्वारा राज्य शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं पर आधारित प्रचार सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान विभाग द्वारा जिले में किये गये महत्वपूर्ण विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को प्रदर्शनी के माध्यम से आम लोगों को बताया गया। जनसंपर्क विभाग के मनीष यादव द्वारा पाली ब्लाक के मदनपुर में प्रदर्शनी लगाकर प्रचार सामग्री- हम सबके राम, सुशासन के नवीन आयाम, आदिवासियों का उत्थान, विष्णु का सुशासन, जनादेश परब रिपोर्ट कार्ड, खुशियों का आशियाना, छत्तीसगढ़ जनमन आदि का वितरण किया गया। प्रदर्शनी में पहुंची श्रीमती हेमबाई, दुखनी ध्रुव, बैशाखा अहिर, अनार कुंवर, प्रतिमा अहिर, सुमन खैरवार, फुलचंद, राजाराम, बिरजू खैरवार, नारायण प्रसाद आदि ने प्रचार सामग्री प्राप्त करने के पश्चात कहा कि इससे शासन की योजनाओं की जानकारी मिलेगी और वे भी योजनाओं के संबंध में अन्य किसी को बता पायेंगे। महिलाओं ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना की राशि प्राप्त होती है। यह राशि हर माह वे खाते से निकाल लेती हैं। राशि का उपयोग घर के जरूरी खर्चों के लिये किया जाता है।

कोरबा में हाई टेंशन तार की चपेट में आया नाबालिग

कोरबा (दिव्य आकाश) । कोरबा में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। बालको क्षेत्र का रहने वाला 17 वर्षीय सागर धनवार गणनायक स्टील एवं फेब्रिकेशन की दुकान में काम करते समय हाई टेंशन लाइन की चपेट में आ गया। दुकान के संचालक अजय सोनी के अनुसार, शनिवार को आए आंधी-तूफान में दुकान का छज्जा उड़ गया था। सागर इसे ठीक करने के लिए छत पर गया था। छत के ऊपर से गुजर रही 11 केवी की लाइन की चपेट में आने से वह करीब 80 प्रतिशत झुलस गया। गणनायक स्टील एवं फेब्रिकेशन की दुकान में काम करते समय हादसा हुआ।

आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत सागर को जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जिला अस्पताल चौकी प्रभारी दाऊद कुजुर के मुताबिक सागर अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और उपचार जारी है।

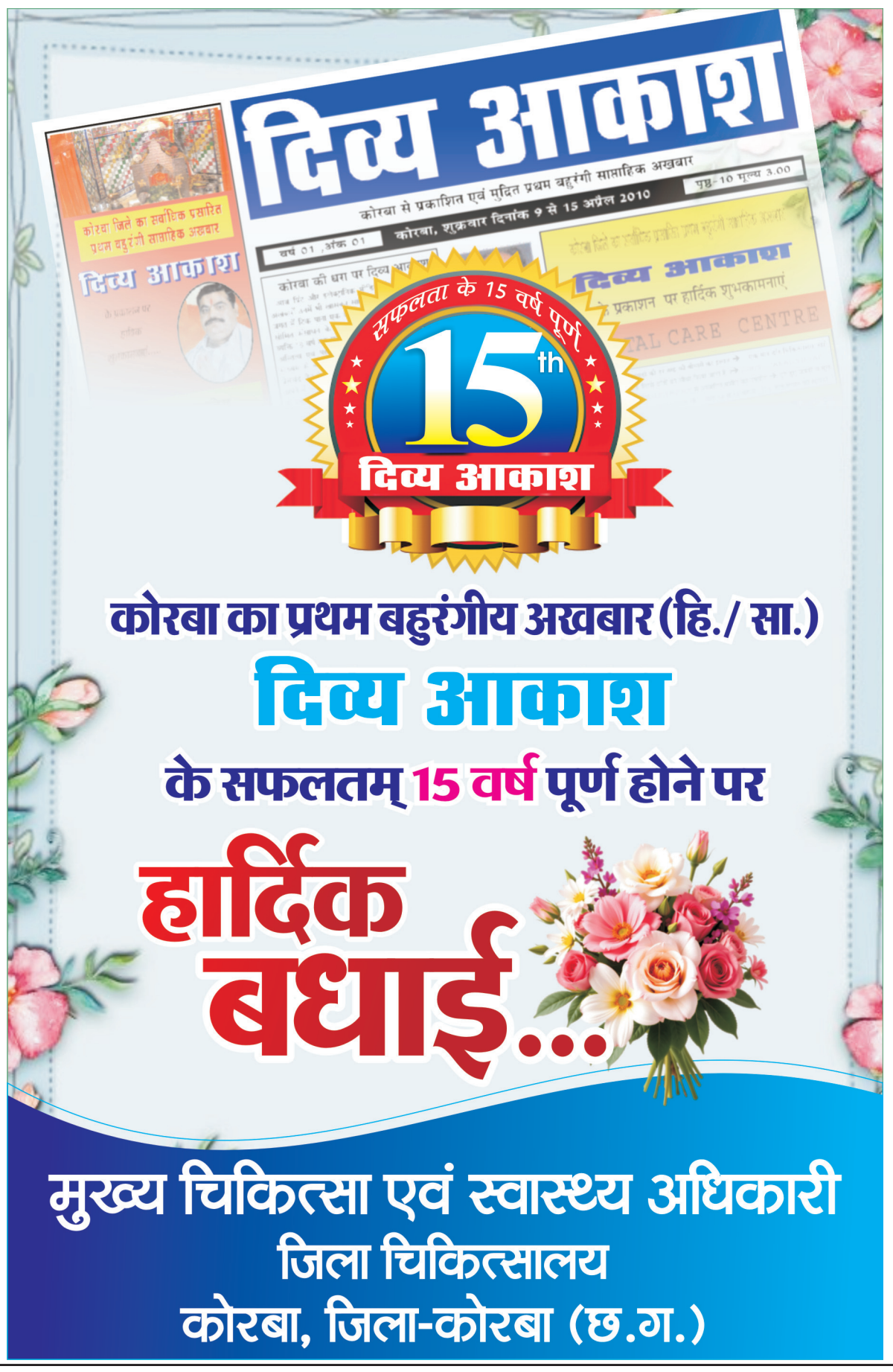

सुशासन तिहार : भैसमा क्लस्टर में 4322 आवेदन हुए प्राप्त, जनहित में हुए त्वरित निराकरण

कोरबा (दिव्य आकाश) ।

सुशासन तिहार के तृतीय चरण के अंतर्गत आज हाईस्कूल भैसमा परिसर में भव्य सुशासन समाधान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं छत्तीसगढ़ राज्य गीत अरपा पैरी के धार... के साथ हुआ। शिविर में जनपद अध्यक्ष श्रीमती बीजमोती राठिया, जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 01 श्रीमती रेणुका राठिया, क्षेत्र क्रमांक 02 श्रीमती सुस्मिता अनंत कमलेश,जनपद सदस्य भैसमा भूपेन्द्र सिंह कंवर,तिलेश्वरी, भैंसमा सरपंच संजय कुमार कंवर, कुरुडीह सरपंच सूरज बाई कंवर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

समाधान शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोरबा श्रीमती कौशाम्बी गबेल ने सुशासन तिहार की विभिन्न चरणों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि शिविर में कुल 4322 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 2244 मांग पत्र एवं 78 शिकायतें शामिल हैं। सभी विभागों द्वारा आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही कर समाधान प्रस्तुत किया गया। जनपद अध्यक्ष श्रीमती बीजमोती राठिया ने नागरिकों को संबोधित करते हुए शिविर की सफलता के लिए सभी को बधाई दी। जिला सदस्य श्रीमती सुष्मिता अनंत कमलेश ने सरकार की जनपक्षीय योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि सुशासन का उद्देश्य धरातल पर समस्याओं का समाधान है। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रेणुका राठिया ने पंजीकृत आवेदनों के त्वरित निराकरण पर बल दिया। शिविर के नोडल अधिकारी सरोज महिलांगें एसडीएम, राजस्व ने नागरिकों और विभागीय अमलों को धन्यवाद देते हुए शिविर की सफलता पर प्रसन्नता जताई।

शिविर के दौरान अनेक हितग्राहियों को उनकी मांग अनुसार स्वीकृति पत्र, कार्ड एवं संसाधन वितरित किए गए जिसमें राशन कार्ड 25,पेंशन स्वीकृति आदेश 51,आवास पूर्णता प्रमाणपत्र एवं चाबी 12,स्प्रेयर 05 खेल सामग्री किट 03,किसान ऋण पुस्तिका 02,जन्म प्रमाण पत्र 01आदि हितग्राहियों को प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का समापन उपस्थित नागरिकों,जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए किया गया। इसी प्रकार पोंड़ीउपरोड़ा के ग्राम पसान में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पसान, लैंगी, कुम्हारीसानी, बैरा, खोडरी, चंद्रौटी, करीं, अड़सरा और सेन्हा के ग्रामीणों को उनके द्वारा दिए गये आवेदनों पर की गई कार्यवाही की जानकारी दी गई।

प्रबोधन कार्यशाला में शामिल हुए महापौर-सभापति

कोरबा (दिव्य आकाश) । होटल बेबीलॉन इंटरनेशनल रायपुर में आयोजित निगम जनप्रतिनिधियों की प्रबोधन कार्यशाला में कोरबा महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, सभापति नूतन सिंह ठाकुर सहित कई पार्षद शामिल हुए और प्रशासन के गुर सीखे। कार्यशाला में सीएम साय, डिप्टी सीएम अरूण साव ने संबोधन दिया।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com